मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष 9 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 38 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 युद्धों से भला शांति कैसे आएगी?

मैंने कई बार माफ किया गोविंदा ने पहली बार अपनी पत्नी सुनीता आहूजा को लेकर तोड़ी चुप्पी 6

नक्सलियों ने पोस्टर लगाकर सुरक्षाबलों को दी चेतावनी

दहशत में ग्रामीण ,पेड़ काटकर आवागमन किया बाधित

सूचना मिलते ही पुलिस और सीआरपीएफ की टीम को मौके पर भेजा गया है। फिलहाल इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है और मार्ग को सुचारू करने के लिए वन विभाग की टीम भी बुलाई गई है। अमित रेणु, एसपी

संवाददाता

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड में नक्सलियों के उत्पात मचाया है। दरअसल, बीती रात चिड़िया सुंदरी माइंस की ओर जाने वाली सड़क के पास नक्सलियों ने पेड़ काटकर सड़क बाधित कर दी, जिससे आवागमन दोनों ओर से प्रभावित हो गया। घटना की पुष्टि एसपी अमित रेणु ने की है।

पोस्टर पर नक्सलियों की धमकीः स्थानीय लोगों के अनुसार, पेड़ काटे जाने के बाद नक्सलियों ने सड़क किनारे बैनर और पोस्टर लगाए हैं। पोस्टरों में लिखा है कि 'सादे पोशाक और निहत्थे हमारे कार्यकर्ता और सैनिकों को पकड़कर मारना बंद करो, वरना उसका बदला उसी तर्ज पर पुलिस और अर्द्धसैनिक बल से लेंगे।

ग्रामीणों में दहशत, माइंस परिचालन प्रभावितः ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय जंगल की ओर से चेन सॉस जैसी आवाजे सुनाई दी। जब सुबह लोग रास्ते पर पहुंचे तो देखा कि दोनों ओर रास्ता अवरुद्ध था और नक्सलियों के पोस्टर लगे हुए थे। जिसकी वजह से माइंस क्षेत्र में जाने वाले मजदूरों और वाहनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई ट्रक और कर्मी कोलबोंगा के उस पार ही फंसे रह गए और जिसके कारण खनन कार्य ठप रहा।

पुलिस और सीआरपीएफ की त्वरित कार्रवाईः घटना की सूचना मिलते ही मनोहरपुर थाना पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ी घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मार्ग पर पड़े पेड़ों को हटाने का कार्य शुरू हो गया है। इसके साथ ही आसपास के गांवों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इधर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम पोस्टरों की सामग्री और संदिग्धों की पहचान के लिए जांच कर रहे हैं, अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें।

इलाके में बढ़ी सुरक्षा, सर्च ऑपरेशन जारीः क्षेत्र में पिछले कुछ हफ्तों से नक्सली गतिविधियों में इजाफा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में गश्त तेज कर दी है और संदिग्ध इलाकों में ड्रोन सर्विलांस बढ़ाया गया है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में लाने के प्रयास तेजी से जारी हैं और ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रूस से तेल खरीद बंद करने के ट्रंप के दावों पर बोला विदेश मंत्रालय

रूसी तेल हमारा राष्ट्रीय हित उपभोक्ताओं की रक्षा प्राथमिकता

नई दिल्लीः भारत ने गुरुवार को एक बार फिर रूसी कच्चा तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव किया और कहा कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की निरंतर प्राथमिकता रही है। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत जल्द ही रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'भारत के ऊर्जा स्रोतों पर टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों पर हमारी प्रतिक्रिया' शीर्षक से पर एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है, 'भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियाँ पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित होती हैं।' इसमें आगे कहा गया है, 'स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार और बाजार की स्थितियों के अनुसार विविधीकरण शामिल है।'

ट्रंप के रूसी तेल संबंधी दावे पर विदेश मंत्रालय: विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत की आयात नीतियाँ अपने हितों की रक्षा के उद्देश्य से निर्देशित होती हैं। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। जायसवाल ने कहा, स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार और बाजार की स्थितियों के अनुसार विविधीकरण शामिल है। अपने बयान में, जायसवाल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने भी भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है और कहा कि इस पर दोनों देशों के बीच चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा, जहाँ तक अमेरिका का सवाल है, हम कई वर्षों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले एक दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है।

भारत के रूसी तेल आयात पर ट्रंप का दावा: इससे पहले, 79 वर्षीय रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री से इस बारे में आश्वासन मिलने के बाद भारत जल्द ही रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप बुधवार को वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जब उन्होंने कहा कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर दे तो यूक्रेन युद्ध को रोकना आसान हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह चीन से भी रूसी तेल खरीदना बंद करने का आग्रह करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे भारत के तेल खरीदने से खुशी नहीं हुई, और (मोदी) ने आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। भारत और चीन रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार हैं। पश्चिमी देशों ने इसके लिए भारत की आलोचना की है, लेकिन नई दिल्ली ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना जरूरी है।

ट्रेलर-स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर, चार युवकों की जिंदा जलकर मौत, एक गंभीर

बाड़मेर : राजस्थान के बाड़मेर जिले से शुक्रवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बालोतरा के पास ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने भीषण भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि स्कॉर्पियो में आग लग गई और उसमें सवार चार युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गुड़ामालानी के डाबड़ गांव के पांच दोस्त स्कॉर्पियो में सवार होकर सिणधरी आए थे। रात को होटल में खाना खाने के बाद वे वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बालोतराझसिणधरी मेगा हाईवे पर उनकी स्कॉर्पियो की टक्कर सामने से आ रहे ट्रेलर से हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में आग लग गई और दरवाजे जाम हो गए, जिससे चार युवक भीतर ही फंस गए।

आग की लपटों में फंसे युवकों को निकालना संभव नहीं हो सका और चारों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ट्रेलर चालक ने साहस दिखाते हुए स्कॉर्पियो के चालक को बाहर निकालने में सफलता पाई। घायल चालक को सिणधरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा : घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक रमेश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान, डिप्टी निरज शर्मा, उपखंड अधिकारी समंदर सिंह भाटी, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी वाकाराम चौधरी और परिवहन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हादसे में जले शवों की हालत इतनी खराब है कि पहचान मुश्किल हो गई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान डीएनए जांच के बाद ही संभव हो पाएगी।

यह अफसर है या धनकुबेर?

एनएचआईडीसीएल निदेश 10 लाख घूस लेते गिरफ्तार

घर में मिला करोड़ों का खजाना, 20 फ्लैट का भी मालिक निकला

गुवाहाटी : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुवाहाटी में तैनात राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के कार्यकारी निदेशक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सीबीआई ने जानकारी दी कि अधिकारी को एक व्यक्ति से 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया।

सीबीआई ने एनएचआईडीसीएल के कार्यकारी निदेशक और निजी कंपनी में काम करने वाले दो लोगों के खिलाफ शिकायत मिली थी। इसी पर सीबीआई ने पिछले दिनों मुकदमा दर्ज किया और उसके बाद मंगलवार को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया।

बताया जा रहा है कि अधिकारी ने एक व्यक्ति से 10 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। यह रिश्वत कंपनी को असम में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर डेमो से मोरान बाईपास तक 4-लेनिंग के ठेके के अलावा अन्य ठेकों से संबंधित अनुकूल एक्सटेंशन ऑफ टाइम (ईओटी) और कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी करने के एवज में मांगी गई थी।

सीबीआई की टीम ने इसके बाद देशभर में 7 ठिकानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान आरोपी अधिकारी के परिसर से 2।62 करोड़ रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा, जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी और उसके परिवार के नाम पर 9 प्रॉपर्टी और 20 फ्लैट देशभर में खरीदे गए।

इसके अलावा, अधिकारी के नाम पर महंगे वाहनों की खरीद से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल, सीबीआई अब आरोपी की चल-अचल संपत्तियों की जांच कर रही है।

उरुग्वे ने इच्छामृत्यु को दी कानूनी मंजूरी धार्मिक विरोधों के बावजूद लिया फैसला

9 देश पहले दे चुके मान्यता

एजेंसी/नई दिल्लीः उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है जिससे यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ अन्य देशों में शामिल हो गया है जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज अपना जीवन समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को उठाए गए इस कदम से उरुग्वे कैथोलिक बहुल लैटिन अमेरिका में कानून के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला पहला देश बन गया है। उरुग्वे में सत्तारूढ़ वामपंथी

गठबंधन की सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने देश की राजधानी मोंटेवीडियो में सांसदों से कहा, जनमत हमें इस पर विचार करने के लिए कह रहा है।" पिछले पांच साल से रुक-रुक कर आगे बढ़ते रहे इस कानून ने बुधवार को उस समय आखिरी बाधा पार कर ली जब संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटर ने इसके पक्ष में मतदान किया। निचले सदन ने अगस्त में इस विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी थी।

चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के सांसदों ने इच्छामृत्यु के अधिकार का जोरदार बचाव किया और इसके लिए चलाए गए अभियान की तुलना तलाक एवं समलैंगिक विवाह की वैधता से की। अमेरिकी राज्यों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने का अधिकार केवल उन लोगों को दिया जाता है जिनके जीने की संभावना छह महीने या एक साल से अधिक नहीं है।

युवती का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

रांचीः राजधानी रांची के रातु थाना क्षेत्र में स्थित पाली नदी के श्मशान घाट के किनारे एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अभी तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए हत्या समेत कई पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि युवती की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में शव पर कोई स्पष्ट चोट या जख्म नहीं दिख रहे हैं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण साफ हो सकेगा। इसके अलावा, घटना के समय और कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

सिटी डीएसपी का रीडर 10 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

रांची : भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एसीबी की रांची टीम ने गुरुवार को सिटी डीएसपी के रीडर सुनील पासवान को 10 हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार, सुनील पासवान ने एक मामले में मदद के एवज में एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता रिश्वत देने को तैयार नहीं था और उसने एसीबी में इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद एसीबी ने पूरे मामले की जांच और सत्यापन किया। जांच में रिश्वत मांगने की बात सही पाई गई। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत गुरुवार को सुनील पासवान को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी को अपने साथ ले गई और उससे पूछताछ की जा रही है। एसीबी की इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि एसीबी अब मामले से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच करेगी।

मोदी सरकार का अपराधियों को अल्टीमेटम

एक भी भगोड़ा बच नहीं पाएगा: अमित शाह

भगोड़ों का प्रत्यर्पण: चुनौतियां और रणनीतियां विषय पर आयोजित सम्मेलन का गृह मंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में *भगोड़ों का प्रत्यर्पणः चुनौतियां और रणनीतियां* विषय पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने किया था। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक अभियानों, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, एक मजबूत भारत सुरक्षित सीमाओं के साथ-साथ कानून का शासन सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस सम्मेलन में, हम वैश्विक अभियानों, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना सुनिश्चित करेंगे।

अमित शाह ने न केवल देश के अंदर, बल्कि सीमा पार भी आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि गंभीर अपराध करने के बाद देश छोड़कर भागने वाले अपराधियों को वापस लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें न केवल भारत में भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के विरुद्ध, बल्कि सीमा पार बैठे अपराधियों के विरुद्ध भी शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। वांछित भगोड़ों को वापस लाने और उन्हें भारतीय कानून व्यवस्था के अनुसार दंडित करने का रास्ता खोजना हमारी ज़िम्मेदारी है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वित्तीय घोटालेबाजों, साइबर अपराधियों, आतंकवादियों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध निर्मम दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। शाह ने जोर देकर कहा कि हमें इन अपराधियों के मन में बैठे इस विश्वास को तोड़ना होगा कि भारतीय कानून हम तक नहीं पहुँच सकता।।। उस विश्वास को तोड़ना हमारी ज़िम्मेदारी है।।। हमें उस पारिस्थितिकी तंत्र को भी समाप्त करना होगा जो ऐसे अपराधियों को न्यायिक, वित्तीय और राजनीतिक समर्थन प्रदान करता है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए अचूक कदम उठाए हैं कि कोई भी अपराधी कानून की पकड़ से बच न पाए। इससे पहले 14 अक्टूबर को, अमित शाह ने घोषणा की थी कि भारत का प्रमुख आतंकवाद-रोधी बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), जल्द ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना सातवां ऑपरेशनल हब स्थापित करेगा, जिससे किसी भी आतंकवादी हमले से निपटने के लिए इसकी देशव्यापी उपस्थिति का विस्तार होगा। यह घोषणा हरियाणा के मानेसर में एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान की गई।

न्यूज IN ब्रीफ

श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में बना राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस

खूंटी : देश के पूर्व राष्ट्रपति एवं 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर बुधवार को मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग में 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने डॉ. कलाम के जीवन और उनके राष्ट्रहित में दिए गए योगदानों पर चर्चा की।

संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, डॉ. कलाम हमारे आदर्श और प्रत्येक भारतवासी के प्रेरणास्त्रोत हैं। भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने आगे कहा कि डॉ. कलाम का सादा जीवन और उच्च विचार हम सभी के लिए अनुकरणीय है। वे न केवल एक श्रेष्ठ वैज्ञानिक, बल्कि एक उत्कृष्ट लेखक और विचारक भी थे। सकलदीप भगत ने छात्रों से डॉ. कलाम के जीवन से सीख लेने और शिक्षा के बल पर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। उन्होंने जोर देकर कहा, ₹हमें ऐसे महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी 'मिसाइल मैन' के रूप में पहचान बनाई और बाद में देश के 11वें राष्ट्रपति के रूप में चुने गए। डॉ. कलाम भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के रत्न थे। उनकी राष्ट्रभक्ति सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर शिक्षिका सावित्री एवं रिया सहित संस्थान के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन डॉ. कलाम के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेते हुए किया गया।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

खूंटी: विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जिले के विद्यालयों, पंचायतों और आंगनबाड़ी केंद्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), खूंटी के तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य सही ढंग से हाथ धोने की आदत के महत्व को लोगों, विशेषकर बच्चों तक पहुँचाना था। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम करकट्टा गांधी विद्यालय, कलामटी और एमएरो. हाई स्कूल में आयोजित किए गए। इनमें स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, निबंध, कविता और चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से हाथ धुलाई के महत्व को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को हाथ धोने के छह चरणों का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया और नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की आदत विकसित करने पर जोर दिया। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक ने सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को समझाया कि भोजन से पहले, शौच के बाद और बीमार व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोना चाहिए, ताकि संक्रामक बीमारियों से बचा जा सके।

जिले के सभी प्रखंडों–मुरहू, कर्रा, तोरपा, अड़की, रनिया और खूँटी–के सैकड़ों विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने उत्साहपूर्वक स्वच्छता रैलियाँ निकालीं, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए और हाथ धोएं, बीमारियों से बचें तथा साफ हाथ, सुरक्षित जीवन जैसे नारों के साथ जनजागरूकता फैलाई। इस मौके पर सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार और स्वच्छ ग्राम, स्वस्थ जीवन जैसे नारों ने भी लोगों का उत्साहवर्धन किया। इन जागरूकता कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और समुदाय के बड़ी संख्या में लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाकर स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रीय पोषण माह का हुआ समापन सुपोषित झारखंड का दोहराया संकल्प

खूंटी : समाज कल्याण शाखा, खूंटी द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के अवसर पर आयोजित माहव्यापी जागरूकता अभियान का बुधवार को जिला स्तरीय समापन समारोह नगर भवन में संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि उपायुक्त आर. रॉनिटा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पोषण माह के दौरान आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के बीच पोषण जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए अभिभावकों को उनके सही पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आंगनबाड़ी कर्मियों से आग्रह किया कि वे पोषण जागरूकता को एक सतत अभियान के रूप में चलाते हुए महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी जागरूक करें। उप विकास आयुक्त आलोक कुमार ने पोषण माह की थीम हमारा संकल्प , कुपोषण मुक्त झारखंड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्भावस्था के 9 महीने और जन्म के बाद के 2 वर्ष मिलाकर कुल 1000 दिन बच्चे के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने स्वच्छता पर बल देते हुए कहा कि दैनिक जीवन में स्वच्छता की आदतों को अपनाना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान गोद भराई और अन्नप्राशन की परंपरागत रस्में संपन्न कराई गईं। साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। पौष्टिक आहार से संबंधित प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन कर उपायुक्त ने कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित विभिन्न प्रखंडों के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, आंगनबाड़ी सेविकाएं-सहायिकाएं एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति ।

छठ घाटों का किया निरीक्षण

देवघरः देवघर नगर निगम के नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार बुधवार को उपनगर आयुक्त के नेतृत्व में दो सहायक नगर आयुक्तों ने नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रमुख छठ घाटों की सफाई कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया।

आगामी छठ महापर्व को देखते हुए घाटों पर सफाई व्यवस्था, कचरा निष्पादन, जल निकासी एवं प्रकाश व्यवस्था की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान उपनगर आयुक्त ने संबंधित वार्ड जमादार एवं अन्य अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी घाटों की सफाई कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि घाटों की साफ-सफाई, आसपास की सड़कों से कूड़ा उठाव के साथ सड़क समतलीकरण , जल जमाव की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाए। सहायक नगर आयुक्तों ने भी निरीक्षण के क्रम में सफाई कार्य में लगे कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुनिश्चित किया कि छठ पर्व से पहले सभी घाट स्वच्छ और सुरक्षित रहें। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन निरीक्षण कर सफाई कार्य की मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि देवघर के सभी छठ घाटों पर स्वच्छता का संदेश प्रसारित हो सके। 23 वार्ड जमादार,,215 सफाई मित्र,24 रोड कुली मित्र,3 जेसीबी 14 ट्रैक्टर ,(छठ घाट सफाई हेतु विशेष रूप से प्रतिन्नयुक्त निगम के संसाधन)।

राजस्व संग्रहण व विभागीय कार्यों की हुई समीक्षा

उपायुक्त ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग एवं भू-अर्जन से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, डीसीएलआर अरविंद कुमार सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान खनन, उत्पाद, नगर पंचायत, मत्स्य, अवर निबंधक, श्रम, विद्युत तथा राजस्व सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत मासिक राजस्व संग्रहण प्रतिवेदन की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों से उनके वार्षिक लक्ष्य और विगत माह के प्रदर्शन की जानकारी ली। सभी विभागों को निर्देश

दिया गया कि वे अपने निर्धारित वार्षिक राजस्व संग्रहण लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिए ठोस एवं प्रभावी प्रयास सुनिश्चित करें।

बैठक में दाखिल-खारिज मामलों तथा जाति, आवासीय एवं आय प्रमाणपत्रों से संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। इन मामलों में स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा गया कि कोई भी आवेदन निर्धारित समय-सीमा से अधिक लंबित न रहे और प्राथमिकता के आधार पर इनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा, सक्सेसन म्यूटेशन (उत्तराधिकार हस्तांतरण), पंचायत स्तर की शिकायतें, सर्टिफिकेट मामले तथा अवैध जमाबंदी जैसे विषयों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विशेष कैंपों का आयोजन कर आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करें, ताकि जनता को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

राजस्व विभाग के अंतर्गत भू-लगान एवं सेस (कर) संग्रहण की प्रगति की भी जांच की गई और सभी अंचलाधिकारियों को अपने दायित्वों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान के मामलों को शीघ्रता से निपटाने पर जोर दिया गया तथा आवश्यकतानुसार अंचल स्तर पर कैंप लगाकर इन मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करने, राजस्व संबंधी कार्यों में तेजी लाने तथा पारदर्शिता एवं समयबद्धता का ध्यान रखने का आह्वान किया।

डॉ. प्रेम नाथ सुमन को बीआईटी मेसरा से मिली पीएचडी की उपाधि

संवाददाता

खूंटी : जिले के डॉ. प्रेम नाथ सुमन ने बीआईटी मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। उनका शोध वायरलेस कम्युनिकेशन के लिए रिकॉन्फिगरेबल एंटीना पर केंद्रित है। जिले के युवाओं के लिए एक मिसाल।

15 अक्टूबरः बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा के 35वें दीक्षांत समारोह में खूँटी के मूल निवासी डॉ. प्रेम नाथ सुमन को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विषय में पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन थे।

डॉ. सुमन ने अपना शोध कार्य पूरा किया, जो माइक्रोवेव और कम्पोनेंट तकनीक के क्षेत्र से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने डॉ. जीके. मिश्रा के मार्गदर्शन में यह उपाधि मात्र साढ़े तीन वर्ष की रिकॉर्ड अवधि में पूरी की, जो उनके शोध बैच में सबसे कम समय है। अब तक डॉ. सुमन के 15 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स और सम्मेलनों में प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. सुमन के पिता वैकुण्ठ नाथ झा बीएसएनएल के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। डॉ. सुमन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल, खूंटी से प्राप्त की और इंटरमीडिएट की पढ़ाई बिरसा कॉलेज, खूंटी से पूरी की। उन्होंने इंजीनियरिंग और एमटेक की पढ़ाई मध्य प्रदेश से की है।

वर्तमान में डॉ. सुमन आर्का जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने मार्गदर्शक डॉ. जीके मिश्रा को दिया।

डॉ. प्रेम नाथ सुमन ने बीआईटी मेसरा से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। मात्र साढ़े तीन साल में पूरी करके रचा इतिहास। पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी।

दिल दहला देने वाला मामला

मां-बेटे को 15 महीने से बनाया बंधक, पुलिस ने किया रेस्क्यू

संवाददाता

बोकारो : शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सेक्टर-6डी स्थित एक क्वार्टर में एक मां और उसके बेटे को करीब 15 महीने तक बंधक बनाकर रखने का आरोप लगा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।

डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि रविवार को सेक्टर-6 क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई थी कि सेक्टर-3डी निवासी अशोक सिंह ने सेक्टर-6डी के मकान में संतोष सिंह (48) और उनकी मां सीता देवी (70) को पिछले 15 महीनों से बंद कर रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला।

पुलिस के अनुसार, जब मां-बेटे को मुक्त कराया गया तो वे बेहद कमजोर हालत में थे और बोलने

में कठिनाई महसूस कर रहे थे। उन्हें तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अशोक सिंह और संतोष सिंह के बीच जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते अशोक सिंह ने दोनों को अपने क्वार्टर में कैद कर रखा था। पुलिस ने आरोपी अशोक सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम गठित की गई है, जो पूरे घटनाक्रम की तह तक जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी पिछले कई महीनों से उस घर में अकेला रहता था और किसी को अंदर आने नहीं देता था। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि अन्य लोग भी इस घटना में शामिल पाए जाते हैं, तो सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज : बरहरवाःप्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बटाईल हाई स्कूल में आज बाल संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख साहिबगंज की अध्यक्षता में बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सामाजिक कुरीतियों अपराधों व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम बाल तस्करी पोक्सो अधिनियम, अपहरण, एसिड अटैक गुड टच-बैड टच और बाल अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बच्चों को बताया गया कि बाल विवाह और बाल श्रम कानूनन अपराध हैं।जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं।बाल संरक्षण पदाधिकारी ने पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी,ताकि बच्चे स्वयं को और अपने साथियों को सुरक्षित रख सकें।

गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर कल

मैक्स अस्पताल के सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीव राठी सेवा देंगे

रांचीः सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, रांची में शुक्रवार, दिनांक 17.10.2025 को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिपोर्ट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

कृषि विभाग से संबंधित आयोजित बैठक संपन्न

उपायुक्त ने कृषि पदाधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में कृषि विभाग से संबंधित बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने क्रॉप सर्वे की समीक्षा करते हुए कृषि पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य को नियमानुसार संचालित किया जाए तथा इसमें कृषि मित्र, सभी पंचायतों के स्वयंसेवक, पोषण सखी एवं जेएसएलपीएस कर्मियों को सक्रिय रूप से लगाया जाए।

बीटीएम, एटीएम एवं बीएओ को सर्वे के सुपरविजन कार्य में लगाया जाएगा, जबकि पूरे सर्वे कार्य की मॉनिटरिंग संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सर्वे करने वाले को 10 प्रति सर्वे की दर से भुगतान किया जाएगा, इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पूरे जिले में जहाँ भी योजना के तहत नए कुएँ का निर्माण किया गया है, उन स्थलों पर दलहन की खेती वृहद स्तर पर कराई जाए। जानकारी दी गई कि सरसों का बीज उपलब्ध करा दिया गया है और टेस्टिंग के लिए भेजा गया है। टेस्टिंग उपरांत बीज का वितरण नियमानुसार प्रारंभ किया जाएगा।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी

प्रक्रियाएँ शीघ्र पूरी करते हुए लाभुकों के बीच बीज का वितरण सुनिश्चित किया जाए।इस दौरान जानकारी दी गई कि जिले में झारखंड स्टेट मिलेट मिशन के तहत सर्वे का कार्य प्रगति पर है।

पीएम कुसुम योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि आवेदनों का सत्यापन हेतु प्रखंड स्तर पर भेजा गया है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर सत्यापन कार्य पूरा किया जाए, अन्यथा संबंधित बीटीएम एवं एटीएम का वेतन रोका जाएगा। सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मेधा डेयरी से अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादकों को जोड़ने के निर्देश दिए। जानकारी दी गई कि जामा प्रखंड के बगझोपा, जरमुंडी प्रखंड के सहारा तथा नोनीहाट एवं सरैयाहाट प्रखंडों के बनियारा और धावाटाँड में बीएमसी (बल्क मिल्क कूलिंग सिस्टम) उपलब्ध हैं।उपायुक्त श्री सिन्हा ने सरैयाहाट प्रखंड के कारुडीह स्थित भवन को बीएमसी हेतु हैंडओवर करने का निर्देश दिया।बताया गया कि जिले के 6 प्रखंडों के 60 गाँवों में दुग्ध संग्रह केंद्र कार्यरत हैं, जबकि गोपीकांदर, काठीकुंड, मसलिया एवं रानेश्वर में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। जानकारी दी गयी कि कोई दुग्ध उत्पादक समिति बनाने तथा मेधा डेयरी से जुड़ने हेतु 7544003458 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

जानकारी दी गयी कि बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत हेतु दुमका जिले के किसान कृषि रक्षक हेल्पलाइन नंबर 14447 पर कॉल कर सकते हैं एवं जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में 90 गोदामों का निर्माण कार्य चल रहा है। वर्ष 2024-25 में 60 नए गोदामों का निर्माण किया जाना है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मछली पालन हेतु समिति गठित कर लाभुकों का चयन सुनिश्चित करते हुए तालाबों में मछली पालन का कार्य किया जाय।

पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पशुधन योजना के तहत लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत लाभुकों को योजना का लाभ प्रदान किया जाए।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को मशरूम की खेती को वृहद स्तर पर प्रोत्साहित करने तथा अर्बन फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में अपराधी खुलेआम मचा रहे तांडव : बाबूलाल

संवाददाता

रांची: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में लगातार बढ़ते आपराधिक घटनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर दिनदहाड़े सीमेंट कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी ने यह साबित कर दिया है कि राज्य में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अपराधी खुलेआम तांडव मचा रहे हैं, जानलेवा हमले और गोलीबारी कर व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं, लेकिन हमारा पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मरांडी ने कहा कि लगातार कारोबारियों पर हो रहे हमलों से व्यावसायिक समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। हालात इतने वीभत्स हो गए हैं कि झारखंड में अब कारोबार करना खतरे से खाली नहीं रहा। जब राजधानी ही असुरक्षित है, तो प्रदेश के बाकी हिस्सों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है इस धंधे का हिस्सेदार भी पुलिस और सत्ता में बैठे लोग हैं।

मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। कानून व्यवस्था संभालने के बजाय पुलिस वसूली में व्यस्त है। अपराधियों को कांड करने की खुली छूट मिली हुई है, जिससे आम जनता और व्यापारी वर्ग भयभीत हैं। उन्होंने तत्काल अपराधियों की गिरफ्तारी और प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की राज्य सरकार से मांग की।

बता दें कि रांची के कटहल मोड़ क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने एक दुकानदार पर फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना के तुरंत बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही रातू और नगड़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। हमलावर घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है।

अवैध रूप से संचालित हुक्का बार का भंडाफोड़

रांची : रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित एक रेस्टोरेंट में फूड सेफ्टी और कोटपा (सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम) की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान रेस्टोरेंट में अवैध रूप से चल रहे हुक्का बार का भंडाफोड़ हुआ।

टीम ने मौके से 12 हुक्के जब्त किए। इसके साथ ही, हुक्का से संबंधित बड़ी मात्रा में अन्य सामान भी बरामद किया गया। यह खुलासा हुआ है कि रेस्टोरेंट में अवैध तरीके से हुक्का बार संचालित किया जा रहा था और यहां टीन एजर्स (किशोरों) को भी हुक्का परोसा जाता था। अवैध रूप से हुक्का बार चलाने और नियमों का उल्लंघन करने के इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रोड के साइड वॉल से टकराई अनियंत्रित एसयूवी

रांची : राजधानी रांची के रिंग रोड पर एक बड़ा हादसा होने से टल गया। तेज रफ्तार से आ रही एक एसयूवी अनियंत्रित हो गई और रिंग रोड के साइड वॉल से जा टकराई। टक्कर के बाद एसयूवी साइड वॉल पर ही अटक गई। जरा सी भी चूक होती तो कार ब्रिज के नीचे गिर सकती थी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था। रिंग रोड पर साइड वॉल में अटकने के कारण एक्सयूवी के साथ मौजूद लोग सुरक्षित बच गए।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत चित्र प्रतियोगिता

मेट्रो रेज

रांची: आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी भोजपुर में मतदाता जागरूकता अभियान के आलोक में चित्र प्रतियोगिता आयोजित किया गया। छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में चुनाव जागरूकता के लिए लकिरो और रंगो से खेल सामाजिक जागरूकता लाने में सफलता हासिल किया। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने अपने संबोधन में कहा लोकतंत्र सामाजिक ढांचा का वह बिंब है जहां हम और हमारी संवेदना एक खाका में बांधा गया है। छात्राओं ने प्रतियोगिता में जो चित्र सृजित किया है, निश्चित रूप से इस तरह के प्रयासों से सामाजिक बदलाव संभव है। वहीं वरिष्ठ शिक्षक सुकेश कुमार,सुनित त्रिपाठी अपने संबोधन में कहा कि अपना मत देना जरूरी है। हम सभी चित्रों का अवलोकन करते हुए देखे कि छात्राओं ने चित्रों में जो स्थिति सृजित किया है वह लोक तंत्र के लिए बेहतर है। वरिष्ठ चित्रकार रौशन राय के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था,जो अपने कलात्मकता को लेकर सफल रहा। छात्राओं ने प्रतियोगिता में लोकतंत्र की प्रासांगिकता और वेदना संवेदना को खूब खुलकर संयोजित किया है। चित्र अपने मौलिक मूल्यों को लेकर बाल रचना को शीर्ष बना दिया था।कला अभिव्यक्ति का माध्यम है अभिव्यक्ति अगर बाल कला रचना में ढुंढा जाए तो निश्चित रूप से मानव बाल कला के साथ जुड़ जाता है। इस अवसर पर शीर्ष 10 चित्र को सम्मानित किया गया अंजलि कुमारी,असिमा खातुन, रौशन प्रविण,अंजुंम आरा, रागिनी कुमारी,किरण कुमारी, नंदनी कुमारी,निशा कुमारी,सोनम कुमारी, रागिनी कुमारी, ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमोद कुमार,चर्चिल टैगोर, निशा कुमारी, मिना देवी, रौशनी कुमारी, ज्योति कुमारी व अन्य।

चंदन यादव अध्यक्ष व अभिजीत बाउरी बने सचिव

मेट्रो रेज

रांची: हटिया न्यू काली पूजा समिति की बैठक हटिया रेलवे मार्केट हनुमान मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में नई समिति का निर्माण किया गया। सह सहमति से सभी पदों पर नए लोगों को जिम्मेवारी दी गयी। सभी ने अपनी बातों को रखा एव पूजा को किस तरह से भव्य किया जाए उस पर विचार विमर्श किया गया।

20 अक्टूबर की रात को विधि विधान से पूजा का आयोजन किया जाएगा एवं 21 अक्टूबर को शाम में भोग वितरण एव संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंदरजीत सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

समिति इस प्रकार है।

संयोजक - राजेश कुमार (राजू) :मुख्य संरक्षक - नंदन यादवःवरीय संरक्षक - इंदरजीत सिंहः संरक्षक - संजू चौबे,अवधेश सिंह, सौरव सिंह (बंटू), आनंद शंकर : अध्यक्ष- चंदन यादव : सचिव- अभिजीत बाउरी : कोषाध्यक्ष- अभिषेक सुमित : कार्यकारी अध्यक्ष - सोनू कुजूर, चंदन कुमार

: वरीय उपाध्यक्ष- सोमनाथ बाउरी, रजनीश सिंह, संतोष यादव, मन्नू चौधरी, अरविंद यादव, अमर हरि, भूपेंद्र कुमार, रितेश पासवान, दीपक कुमार, किशोर हरि, बिट्टू यादव : उपाध्यक्ष- डॉ रजनी शर्मा, अरुशी वंदना, अंजली सिन्हा, कृतिका राव, मीरा गुप्ता, आकाश रजवार, गौतम बाउरी, सुनील साई, अमित पांडेय, अमन यादव, प्रखर शर्मा, नवदीप, जितेंन, शिवा राव, विवेक कुमार, अनिकेत सिंह, आरव सनी, अभिषेक सिंह, मुकेश सिंह टुल्लू : विधि विधान - पवन चौधरी : महामंत्री - अजय यादव, गौतम, अरविंद महतो, सोनू,

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा सूचना
वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/टीआरडी, उ. प.रेलवे,बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करते है। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई–निविदाएं बंद होने की तिथि व समय : 04.11.2025 को 15.00 बजे तक 3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय : 04.11.2025 को 15.00 बजे के बाद निविदा संख्या : 15-TRD-GSUBKN-ETENDER-25-26R कार्य का विवरण : TRD modification work in c/w Provision of stabling lines, marshalling lines and sick/fit line, Development of Coaching Maintenance Facilities, High level Island Passenger platform & other passenger amenities between line no 09 & 10 and extension of platform no 06 at Hisar station of Bikaner Division. अनुमानित लागत (रूपये) :रू. 14,58,26,293.59 धरोहर रूपये : रू. 8,79,100.00 1321-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

ट्रैफिक पुलिस चला रही अतिक्रमण अभियान

रांची: सर्जना चौक से मिशन चौक तक ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण अभियान में डीएसपी भी है शामिल।

त्योहारों में डिजिटल भुगतान करते समय रहें सावधान : एनपीसीआई

रांची: त्योहारों के मौसम में बढ़ती ऑनलाइन खरीदारी के बीच साइबर ठगी के मामले भी बढ़ रहे हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। एनपीसीआई ने कहा कि खरीदारी केवल आधिकारिक ऐप या वेबसाइट से करें और किसी भी अनजान लिंक या फर्जी प्रस्ताव पर क्लिक न करें। भुगतान हमेशा प्लेटफॉर्म के भीतर ही पूरा करें तथा किसी भी कॉल या संदेश पर ओटीपी या बैंक विवरण साझा न करें। संस्था ने कहा कि जल्दबाजी में निर्णय न लें, पहले रुकें, सोचें और फिर कार्य करें के सिद्धांत का पालन करें ताकि आपका लेनदेन सुरक्षित रहे।

अभिनंदन समारोह

रांची: राजधानी रांची आने पर जोहो के सीईओ राजेश गणेशन और उनकी सहयोगी रश्मि के सम्मान में रांची में फ़्लेव्स में भोज तथा जगन्नाथ मंदिर में अभिनंदन समारोह का आयोजन हम मित्रो द्वारा किया गया।

कार्यालय, नगर पंचायत, बुण्डू (राँची)
पता–ब्लॉक रोड, बुण्डू, पिन–835204 • Email Id- nagarpanchayatbundu@gmail.com
Notification
Letter No- Dated
This is notified that in the area of Bundu Nagar Panchayat have compliance of all septic tanks constructed / Design after 01 Jan are as per IS:2470 Part I and Part II.
Administrator
Nagar Panchayat Bundu
PR 364186 (Urban Development) 25-26 (D)

रांची में हुंकार रैली कल, कुरमी समाज को एसटी का दर्जा न देने की मांग करेंगे आदिवासी

संवाददाता

रांची: झारखंड के आदिवासी संगठनों ने कुडमी समाज की एसटी दर्जा मांग के खिलाफ 17 अक्टूबर को रांची के धुर्वा प्रभात तारा मैदान में आदिवासी हुंकार रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस रैली में राज्यभर से हजारों की संख्या में सरना धर्मावलंबी और आदिवासी समाज के लोग हिस्सा लेंगे।

भारत के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय पाहन ने कहा कि यह आंदोलन आदिवासी समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पाहन ने बताया कि आदिवासी समाज इस धरती के सच्चे मूल निवासी हैं और इतिहास में उन्हें आदिवासी के रूप में औपचारिक दर्जा प्राप्त है। वहीं कुड़मी समाज मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है और उनमें आदिम जनजातीय लक्षण नहीं पाए जाते। पाहन ने कुडमी समाज की एसटी दर्जा मांग को राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया मामला बताया और इसे आदिवासी समाज के हितों पर हमला कहा। उन्होंने कहा, 'यह लड़ाई केवल जल, जंगल और जमीन की नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता की रक्षा की लड़ाई है।' पाहन ने यह भी उल्लेख किया कि आदिवासी महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली लाल पाड़ साड़ी अब संघर्ष और पहचान का प्रतीक बन चुकी है। यह साड़ी हर आदिवासी घर में मौजूद है और रैली के दौरान इसके माध्यम से आंदोलन की एकजुटता दर्शाई जाएगी।

झारखंड आदिवासी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रवि तिग्गा ने बताया कि यह रैली ऐतिहासिक होगी और राज्य के हर कोने से सरना धर्मावलंबी इसमें शामिल होंगे। तिग्गा ने कहा कि आदिवासी समाज की भौगोलिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को किसी भी दशा में कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। उनका यह भी स्पष्ट किया कि रैली शांतिपूर्ण होगी, लेकिन आदिवासी अधिकारों पर किसी भी प्रकार के हमले या साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ऊर्जा विभाग
झारखण्ड सरकार
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, इंजीनियरिंग हॉस्टल नं0–2 धुर्वा, रॉची
अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/65/2025-26 दिनांक–15/10/2025

1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	रिनपास, कॉके, राँची के जे0ई0 धून्जीबाई एकेडमी एवं रिसर्च सेन्टर (नये प्रशासनिक ब्लॉक) में विद्युत अधिष्ठापन हेतु वार्षिक मरम्मति का कार्य।	39,00,998=00	5,000=00	79,000=00	35 दिन
II	रिनपास, कॉके, राँची के महिला सेक्शन के केबल, फिडर पीलर, के बदलीकरण एवं 1 अदद् हाई मास्ट लाईट के मरम्मति का कार्य।	44,35,150=00	5,000=00	89,000=00	42 दिन
III	रिनपास, कॉके, राँची में 750 के0वी0ए0 ट्रॉसफारमर के अधिष्ठापन एवं 500 के0वी0ए0 ट्रॉसफारमर के पोल एवं 11 के0वी0 के बदलकीण का कार्य।	22,19,045=00	5,000=00	45,000=00	35 दिन
IV	रिनपास, कॉके, राँची के जे0ई0 धूनजीबोई एकेडमी एवं रिसर्च सेन्टर (नये प्रशासनिक ब्लॉक) हेतु 500 के0वी0ए0 ट्रॉसफारमर के अधिष्ठापन का कार्य।	24,93,146=00	5,000=00	50,000=00	35 दिन
V	रिनपास, कॉके, राँची के पुरूष सेक्शन वार्ड के मेन पैनल के बदलीकरण एवं 3 अदद् हाई मास्ट लाईट के अधिष्ठापन का कार्य।	43,60,923=00	5,000=00	88,000=00	42 दिन
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	30.10.2025			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	31.10.2025 के 10.30 बजे पूर्वाहन से 06.11.2025 के 2.00 बजे अपराहन तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	07.11.2025 को 3.00 बजे अपराहन में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0/ई0 मेल	0651–2490069/electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT
Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।
विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,रॉची
PR 364211 (Energy)25-26*D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी 20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्वपूर्ण मौकों पर धड़क नों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेंटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्व को जानता है इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दशार्ते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

मौत या हत्या

तमिलनाडु. के करूर जिले में एक रैली में भगदड़.मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़.में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20- 20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़.बढती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़.मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़. के कारणों को लेकर लोगों के अपने- अपने दावे हैं और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़ब्रड़.हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़. के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़.ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड़ को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गई। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़.में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़.न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़. बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़.के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

युद्धों से भला शांति कैसे आएगी?

'यूक्रेन युद्ध ने भारत की आर्थिक संभावनाओं पर दबाव डाला है। उसी युद्ध के परिणामस्वरूप पश्चिम भारत को चीन के खिलाफ एक संभावित भागीदार के रूप में देख रहा है। भारत का इस समय किसी भी मुल्क का पक्ष लेना बहुत कठिन है।'

प्रो. मनोज डोगरा

विश्व में युद्ध किसी भी देश से हो, निर्दोष लोगों की जान का दुश्मन बन जाता है। बबार्दी, बर्बरता, मौत, मातम व नुकसान यही वो चीजें हैं जो युद्ध देकर जाता है। जीवन भर का दुःख, पीड़ा का जन्म होता है। युद्ध कभी भी किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है, क्योंकि उसमें मानवता को क्षति होती है। इसलिए युद्ध न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक चोट भी पहुंचाते हैं, जो अंत तक उन लोगों को परेशान करती रहेगी जो उनसे प्रभावित होते हैं। पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। जब भी युद्ध होता है, दोनों देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। विश्व गवाह है प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के दंशों का, जिनकी याद जब भी आती है, नरसंहार व बबार्दी की तस्वीर जहन में जाग जाती है। सवाल उठता है लाभ क्या हुआ? आज जहां तकनीक का युग है, एक-दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ युद्ध का खतरा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

घोड़े से विवाद पर एक देश दूसरे देश पर गोला बारूद बरसाने लग जाता है। एक मोर्चे पर लड़ाई रुकती नहीं कि उतने में दूसरा मोर्चा उभर कर युद्ध के मुहाने पर आकर खड़ा हो जाता है। रूस-यूक्रेन का युद्ध सालों से चला आ रहा है जिसमें केवल मानवता का नुकसान हो रहा है, तो दूसरी तरफ इजरायल-फिलिस्तीन, इजरायल-ईरान की लड़ाई भी विश्व को डरा रही है। रूस के द्वारा यूक्रेन के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध अभी तक जारी है और फिलहाल इसका कोई परिणाम नहीं दिख रहा। सभी देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं जिससे एक बात निश्चित है कि इसका प्रभाव पूरे विश्व में पड़ रहा है। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है। इसका उदाहरण हमें यूक्रेन बनाम रूस तथा इजरायल-फिलिस्तीन व इरान के युद्ध से मिल रहा है। लाखों लोग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपनी जान गंवा चुके हैं। आखिर उनका दोष क्या था? आम जनता कभी भी युद्ध नहीं चाहती बल्कि यह तो उसे झेलना पड़ता है। वो तो अपने शासक के निजी कारणों की वजह से इसमें पिस जाती है। केवल एक व्यक्ति की वजह से जो कि स्वयं युद्ध लड़ता भी नहीं है, उसकी वजह से लाखों बेकसूर लोगों की जान चली जाती है। न जाने कितने लोगों से उनका परिवार छिन जाता है, और अगर जनता इसके खिलाफ कोई कदम उठाना चाहे तो उनकी आवाज को दबा दिया जाता है तथा उन्हें देशद्रोही घोषित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अगर आप यूक्रेन को लें तो यह देखने को मिलेगा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध यूक्रेनी लोगों के लिए मानवीय, सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा कर रहा है। सिर्फ यूक्रेन ही नहीं बल्कि रूस को भी बहुत हानि हो रही है लेकिन रूस युद्ध की आड़ में अंधा हो गया है जिसे अपना और अपने लोगों का नुकसान नहीं दिख रहा। उसको अब हार मानने से होने वाली लज्जा अपने लोगों की जान से ज्यादा प्यारी है।

इस पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण के परिणाम वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति को बाधित कर रहे हैं, खाद्य और ऊर्जा की कीमतों में तेजी से वृद्धि कर रहे हैं। यूक्रेन युद्ध और उसके बाद रहने की लागत के संकट का मतलब है कि सबसे गरीब बच्चों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने की संभावना और भी कम है और बाल विवाह, हिंसा, शोषण तथा दुर्व्यवहार का खतरा अधिक है। कई लोगों के लिए, बचपन की गरीबी जीवन भर रहती है। यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध शुरू होने के लगभग दो साल बाद, इसने पश्चिम को एकजुट कर दिया है, लेकिन बाकी दुनिया के साथ बढ़ती हुई खाई को उजागर कर दिया है जो भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की रूपरेखा को परिभाषित कर रही है। इसने युद्ध, लोकतंत्र और शक्ति के वैश्विक संतुलन के दृष्टिकोण में तीव्र भौगोलिक अंतर का खुलासा किया। रूस की आक्रामकता एक विश्व व्यवस्था के उद्भव को चिह्नित करने वाला ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। रूस द्वारा किए गए आक्रमण से भारत पर पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चयन करने का दबाव बढ़ रहा है। रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना भारत के राष्ट्रीय हितों को पूरा करता है। भारत को रूस के साथ एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन बनाए रखना है। परिणामस्वरूप भारत रूस को अलग-थलग करने के उद्देश्य से किसी भी पश्चिमी रणनीति में शामिल नहीं हो सकता है। भारत के लिए, दो प्रत्यक्ष प्रभाव हुए हैं और दूसरा, लेकिन कोई कम महत्वपूर्ण, अप्रत्यक्ष प्रभाव नहीं है, शुरूआत के लिए इसने ऊर्जा और उर्वरक दोनों के लिए हमारे आयात बिल को बढ़ा दिया। इन दोनों (और विश्व स्तर पर गेहूं की बढ़ती कीमत) ने भी विश्व स्तर पर बढ़ती मुद्रास्फीति में योगदान दिया है।

भारतीय नीति निमार्ताओं को वैश्विक दरों में वृद्धि के साथ मिलकर ब्याज दरों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। परिणाम यह है कि भारत के लिए उच्च मुद्रास्फीति और कम विकास, जबकि यूक्रेन युद्ध ने भारत की आर्थिक संभावनाओं पर दबाव डाला है। उसी युद्ध के परिणामस्वरूप पश्चिम भारत को चीन के खिलाफ एक संभावित भागीदार के रूप में देख रहा है। भारत का इस समय किसी भी मुल्क का पक्ष लेना बहुत कठिन है। एक तरफ यूक्रेन है जिसकी ओर बाकी बहुत सारे देश हैं, जिनके खिलाफ जाने की मूर्खता भारत नहीं कर सकता, और दूसरी ओर रूस है जिसने मुश्किल समय में भारत की सहायता की थी। विडंबना यह है कि अगर भारत किसी भी देश का पक्ष लेगा तो उसे भविष्य में दिक्कतें हो सकती हैं। बहरहाल युद्धों से शांति नहीं आएगी।

महिला पत्रकार, तालिबानी सोच और दोस्ती की मजबूरियां

'तालिबान की नजर में महिलाओं का काम सिर्फ बच्चे पैदा करना और दीनी इबादत करनें जिंदगी गुजारना है। यहां तक की सजने संवरने, गाने बजाने तक तो इस्लाम विरोधी करार दे दिया गया है। यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ सोच के ठीक विपरीत है।'

अजय बोकिल

कुछ लोगों को यह बात छोटी-सी लग सकती है, लेकिन इसमें बड़े संकेत छुपे हुए हैं। जो हुआ, उस पर अगर मीडिया जगत और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त न की होती तो शायद इस घटना को भी तालिबान से मजबूरन की जा रही दोस्ती के कालीन के नीचे सरका दिया जाता।

बेशक, दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान की भू राजनीतिक परिस्थिति, उससे हमारे ऐतिहासिक रिश्तों, बदलते वैश्विक समीकरण चलते और भारत के व्यापक अंतरराष्ट्रीय हितों के मद्देनजर तालिबान से दोस्ती सही मानी जा सकती है, लेकिन यह दोस्ती उन तालिबानी मूल्यों से कतई नहीं हो सकती, जो मध्ययुगीन और महिलाओं के प्रति दुराग्रह और प्रतिगामी सोच से भरे हैं। जबकि हमारे भारतीय मूल्य लिंग, धर्म अथवा जाति भेद से परे समानता, समता और सभी को न्याय की संवैधानिक गारंटी पर आधारित हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के बाद अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने अपने देश के दिल्ली स्थित दूतावास में जो पहली पत्रकार वार्ता की, उसमें भारतीय महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। इस पर बवाल मचना ही था, क्योंकि इसे काबुल सरकार की वर्तमान सोच की संदर्भ में इस घटना को देखा गया। महिला पत्रकारों और और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने अफगान दूतावास द्वारा इस लैंगिक भेदभाव की कड़ी आलोचना की। इसके बाद भारत सरकार ने मामले से यह कहकर पल्ला झाड़ा कि उसका इसमें कोई रोल नहीं है। अफगान दूतावास के अंदर क्या होता है, वह वही जानें। जबकि अफगान दूतावास (जो कल तक खुद तालिबान सरकार के खिलाफ था) ने सफाई दी कि भारतीय महिला पत्रकारों को प्रेस कांफ्रेंस से अलग रखने का उसका कोई सुचिंतित इरादा नहीं था। यह पत्रकारवार्ता जल्दबाजी में कुछ पत्रकारों को बुलाकर आयोजित की गई थी। भारत में व्यापक प्रतिक्रिया के बाद रविवार को अफगान दूतावास में दूसरी पत्रकारवार्ता में न केवल महिला पत्रकारों को बुलाया गया, बल्कि उन्हें आगे बिठाया गया। यह संदेश देने की कोशिश थी कि महिला पत्रकारों के मुद्दे पर न तो अफगानिस्तान भारत से और न भारत अफगानिस्तान से रिश्ते बिगाड़ना चाहता है। लेकिन इसका अर्थ नहीं है कि महिलाओं को लेकर तालिबानी सोच में रत्तीभर भी फर्क आया हो। वैसे यह सवाल राजनीतिक, कूटनीतिक और मीडिया जगत में भी तैर रहा है कि मोदी सरकार कट्टरपंथी तालिबान को इस तरह गले क्यों लगा रही है? क्या यह स्वागत-सत्कार केवल संकट कालीन मजबूरी है, भू-राजनीतिक हालात का अपने ढंग लाभ उठाने की कोशिश है, पाक को कांटे से कांटा निकालने की शैली में सबक सिखाने की चाल है या फिर विवशताजनित दोस्ती है? यह सही है कि अमेरिका द्वारा चार साल पहले अफगानिस्तान (और उन तमाम आधुनिक सोच वाले अफगानियों को उनकी किस्मत के भरोसे छोड़कर) से जाने के बाद भारत सरकार ने तालिबानी शासन को मध्ययुगीन बर्बर सोच वाला करार देकर उससे दूरी बना ली थी। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि तालिबान चार साल से अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने वहां कट्टर इस्लामिक शरिया कानून लागू कर रखे हैं, जिससे बहुत से अफगान भी सहमत नहीं है। लेकिन बेबस हैं। उधर अफगानिस्तान अभी भी मानता है कि भारत के साथ उसके ऐतिहासिक रिश्ते हैं लेकिन इस्लामिक देश होते हुए भी पाकिस्तान पर अफगानों का कभी भरोसा नहीं रहा। उनकी तुलना में भारत ज्यादा विश्वसनीय है। हालांकि भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अभी मान्यता नहीं दी है, लेकिन धीरे-धीरे उसी दिशा में बढ़ रहा है। कारण साफ है कि भारत अफगानिस्तान में चीन, पाकिस्तान और रूस के लिए मैदान खुला नहीं छोड़ना चाहता। जो सही भी है, लेकिन तालिबान से दोस्ती हो, लेकिन तालिबानों मूल्यों से न हो। अफगान दूतावास की घटना तो केवल खतरे की घंटी भर है। अपनी पहली आधिकारिक यात्रा में विदेश मंत्री मुत्तकी ने भारत के सहयोग पर जोर दिया। यह सलाह भी दी कि भारत, पाक के साथ वाघा बॉर्डर को खोले ताकि अफगानिस्तान से माल आसानी से भारत भेजा जा सके। यहां तक तो ठीक, लेकिन मुत्तकी दिल्ली के अलावा और कहीं गए तो वह था- दारूल उलूम देवबंद। यह इस्लामी के सुन्नी इस्लामी शिक्षा का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा केन्द्र हैं, जहां करीब 4 हजार छात्र धार्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिनमें कुछ विदेशी छात्र भी हैं। दारूल उलूम 1 से 5 वर्ष तक के अलग अलग पाठ्यक्रम संचालित करता है, कुरान, हदीस, नबूवत, अरबी, उर्दू भाषा के अलावा साहित्य और विज्ञान भी शामिल है। शिक्षा का माध्यम उर्दू है, मुख्य जोर दीनी तालीम पर ही है। इस संस्था की स्थापना भारत में मुगल सत्ता के पूर्ण अवसान के बाद हजरत मौलाना मोहम्मद कासिम नानोतवी और हाजी मोहम्मद ने की थी। उसका उद्देश्य भारत में गौरवपूर्ण मुस्लिम शासन की परंपरा को सहेजे रखना और इस्लामिक विचार और जीवनशैली का संवर्द्धन करना था। संस्था का संचालन मजलिसे शूरा करती है और इसके प्रमुख मोहतमिम कहलाते हैं। वर्तमान में इसके प्रधानाचार्य मौलाना अर्शद मदनी हैं। 84 वर्षीय मदनी रूढ़िवादी जमीयत उलेमा-ए-हिंद के भी अध्यक्ष हैं।

मुत्ताकी ने देवबंद को ही क्यों चुना? : यूं भारत में इस्लामिक शिक्षा देने वाले और भी केन्द्र हैं। लेकिन विदेश मंत्री मुत्ताकी ने देवबंद का ही चयन क्यों किया? मुस्लिम देशों से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष अथवा राजनयिक अमूमन धार्मिक शिक्षा संस्थानों में नहीं जाते। वो ज्यादातर राजनेताओं से या सामाजिक संगठनों से मिलते हैं। लेकिन मुत्तकी का दौरा देवबंद जाने के कारण ज्यादा चर्चित हुआ।

पिछला जन्म

चिंतन-मनन

ओशो

व्यर्थ की धारणा हमें सिखा दी गई है कि तुम्हें दुःखी होना ही पड़ेगा क्योंकि पिछले जन्मों का कर्म तुम्हें भोगना है। यह धारणा अगर मन में बैठ गई कि मैं पिछले जन्मों के कर्मों को भोग रहा हूं तो सुख का उपाय कहां है? इतने- इतने जन्म! कितने- कितने जन्म! चौरासी कोटि योनियां! इनमें कितने पाप किए होंगे, थोड़ा हिसाब तो लगाओ! इन सारे पापों का फल भोगना है। सुख हो कैसे सकता है! दुख स्वाभाविक मालूम होने लगेगा। ये आदमी को दुःखी रखने की ईजाद हैं। मैं तुमसे कहता हूं: कोई पाप नहीं किए हैं कोई कर्म का फल नहीं भोगना है। तुम अभी जागे ही नहीं, तुम अभी हो ही नहीं,पाप क्या खाक करोगे! पाप बुद्ध कर सकते हैंङ्क लेकिन बुद्ध पाप करते नहीं। अकबर की सवारी निकलती थी और एक आदमी अपने मकान की मुंडेर पर चढ़ गया और गालियां बकने लगा। सम्राट को गालियां! तत्क्षण पकड़ लिया गया। दूसरे दिन दरबार में मौजूद किया गया। अकबर ने पूछाः तू पागल है! क्या कह रहा था्? क्यों कह रहा था? उसने कहा मुझे क्षमा करें, मैंने कुछ कहा ही नहीं। मैंने शराब पी ली थी। मैं बेहोश था। मैं था ही नहीं! अगर आप मुझे दंड देंगे तो ठीक नहीं होगा अन्याय हो जाएगा। मैं शराब पीए था। अकबर ने सोचा और उसने कहाः यह बात ठीक है; दोष शराब का था,दोष तेरा नहीं था। तू जा सकता है। मगर अब शराब मत पीना। शराब पीने का दोष तेरा था। शराब पीने के बाद जो कुछ तेरे मुंह से निकला, उसमें तेरा हाथ नही, यह बात सच है। आज भी अदालत पागल आदमी को छोड़ देती है अगर पागल सिद्ध हो जाए। क्यों? क्योंकि पागल आदमी का क्या दायि त्व? किसी पागल ने किसी को गोली मार दी। अदालत क्षमा कर देती है अगर सिद्ध हो जाए कि पागल है। क्योंकि पागल आदमी को क्या दोष देना उसे होश ही नहीं है! तुम होश में रहे हो? ये जो चौरासी कोटि योनियां जिनके संबंध में तुम शास्त्रों में पढ़ते हो तुम होश में थे? तुम्हें एकाध की भी याद है? अगर तुम होश में थे तो याद कहां है? तुम्हें एक बार भी तो याद नहीं आती कि तुम कभी वृक्ष थे कि तुम कभी एक पक्षी थे कि तुम कभी जंगल के सिंह थे। तुम्हें याद आती है कुछ? शास्त्र कहते हैं; तुम्हें याद नहीं। और तुम गुजरे हो चौरासी कोटि योनियों से। तुम बेहोश थे तुम मूर्च्छित थे। मूर्च्छा में जो भी किया गया उसका क्या मूल्य है? परमात्मा अन्याय नहीं कर सकता।

आपके पत्र

अन्न की बबार्दी और अति खाना हानिकारक

16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1945 को दुनिया में पहली बार संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य भुखमरी से निपटना भी है। वर्ष 1979 में विश्व खाद्य दिवस प्रथम बार मनाया गया था। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य दुनियाभर में खाद्य सुरक्षा और संतुलित भोजन के प्रति जागरूक करना भी हो गया है। भोजन प्राणी जाति के तंदरुस्त रहने के लिए लिए बेहद जरूरी है, लेकिन भोजन संतुलित और प्रकृति के दायरे में होना चाहिए।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में यह बताया गया है कि हमारे देश की रैंकिंग में कुछ सुधार हुआ है। इस बार हमारा देश 105वें स्थान पर रहा, हालांकि बांग्लादेश 84वें, नेपाल 68वें और श्रीलंका 56वें स्थान पर हैं। बहरहाल, अन्न की बबार्दी और अति खाना दोनों ही हानिकारक हैं।

मनीषा चौधरी, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

मंडई गदागंज पगली दुर्गा मंदिर के गेट तोड़कर चोरों ने की चोरी

साहिबगंज : जिला के राजमहल थाना क्षेत्र के गुनीहारी पंचायत के मंडई गदागंज पगली दुर्गा मंदिर के गेट तोड़कर अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को सुबह मंदिर के पुजारी सपन अवस्थी रोजाना की तरह पूजा करने जैसे ही मंदिर पहुंचा तो देखा कि मंदिर के मुख गेट के पास छोटा गेट और शिव मंदिर के मुख्य गेट का ताला टूटा पड़ा हुआ है और अंदर के सामान गायब हैं। उन्होंने तुरंत मंदिर कमेटी के सचिव संजीव दे सहित अन्य सदस्यों को दिया सभी तुरंत मंदिर पहुंचकर स्थिति को देखा और तुरंत इसकी सूचना थाना पुलिस को दिया गया। सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन,प्रभारी थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान एसआई पवन कुमार आदि दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दिया।इस दौरान देखा गया कि चोरों के द्वारा मुख्य गेट के ताला तोड़कर मंदिर के अंदर घुसकर पगली दुर्गा मां के चांदी के चरण पादुका चांदी का थाली ग्लास और दो दान पेटी में से एक का ताला तोड़कर अंदर रखें नगद और दुर्गा मंदिर के सटे शिव मंदिर का भी में गेट का ताला तोड़कर दो लोहे के दान पेटी को अपने साथ उठाकर मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर तोड़कर उससे सामान निकाल कर धान के खेत में फेंक दिया।जिसे पुलिस ने जब्त कर मंदिर परिसर लाया है। पुलिस मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज भी कंगाल रही है जिसमें घटना का लगभग रात के 1 बजे से लेकर 1:30 बजे रात के बीच की है। जिसमें चार लोग कमरे में दिखाई पड़ रहा है,जो नकाबपोश है पूरा मुंह ढका हुआ है,चोरों के द्वारा से सीसीटीवी में चेहरा ना आने जिसे लेकर मंदिर से कुछ दूरी पर एक नवनिर्मित घर के बाहर से बस का सीढ़ी लगाकर कैमरे के ऊपर मिट्टी से ढाका और घटना को अंजाम दिया।हालांकि अन्य कैमरे में चोरों की तस्वीर कैद हो गई है।पुलिस चोर तक पहुंचने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। सीढ़ी को भी बरामद कर लिया गया है। पूर्व में भी हो चुका है मंदिर में चोरी, उक्त मंदिर में 3 सितंबर 2023 की रात को भी अज्ञात चोरों के द्वारा मंदिर का गेट का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था,उस समय भी मुख्य गेट के बगल में छोटे गेट का ताला तोड़कर मंदिर का दान पेटी मंदिर से कुछ दूरी पर खेत में ही मिला था।उस समय भी चोरों के द्वारा सीसीटीवी कनेक्शन को काट दिया गया था और घटना को अंजाम दिया था। हालांकि चोरों की चोरी करने की कोशिश नाकाम रही थी दान पेटी का ताला नहीं तोड़ पाया था।बाद में कमेटी के द्वारा उक्त दान पेटी को खोला गया तो उसमें 49 हजार 20 रुपए कमेटी के फंड में जमा किया गया था।उस समय तत्कालीन थाना प्रभारी के कुंदन कांत विमल द्वारा काफी छानबीन के बाद भी पुलिस के हाथ खाली रह गए थे।मंदिर कमेटी के सदस्यों का कहना है। कि इस घटना के पूर्व 2021 में भी मंदिर का गेट तोड़कर दान पेटी भी तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था।वही एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है चोरों को पकड़ कर मामले का उद्वेदन किया जाएगा।

103 लाभुकों को बैटरी युक्त ट्राइसाइकिल हियरिंग एड व बैसाखी प्रदान की गई

साहिबगंज : सदर प्रखंड सभागार में मद से प्राप्त सहायक उपकरणों का वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिले के दिव्यांगजन को आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए।जिनमें बैटरी युक्त ट्राइसाइकिल ओटीई हियरिंग एड बैसाखी सहित अन्य आवश्यक उपकरण शामिल थे।कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी बास्किनाथ टुडू, आलिमको प्रतिनिधि संजय मंडल तथा नीति आयोग फेलो मनीष मिश्रा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दिव्यांगजन को उपकरण प्रदान कर उनके आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त पहल बताया।इस अवसर पर कुल 103 लाभुकों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन में सुविधा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करना रहा।जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी पात्र लाभुकों को चिन्हित कर उन्हें समुचित सहायता उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम में लाभुकों ने खुशी व्यक्त हुआ।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार और प्रशिक्षण पर उपायुक्त ने दिए निर्देश

साहिबगंज : उपायुक्त -सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में प्राकृतिक खेती से संबंधित जिला स्तरीय निगरानी समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपायुक्त ने जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखती है, बल्कि किसानों की लागत में भी कमी लाती है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें जैविक खाद, जीवामृत, बीजामृत आदि के उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए।उन्होंने समिति के सदस्यों को प्रत्येक प्रखंड स्तर पर कार्य की नियमित समीक्षा करने तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया।

ओझाटोली घाट को असुरक्षित घाट घोषित और बिजली घाट शंकुतला और मुक्तेश्वर घाट सुरक्षित : उपयुक्त

घाटों की तैयारी समय पर पूरी करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो

संवाददाता

साहिबगंज : आगामी महापर्व छठ पूजा को लेकर जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने आज विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंगा नदी के जलस्तर घाटों की भौगोलिक स्थिति तथा सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन के साथ निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा बिजली घाट शंकुतला घाट मुक्तेश्वर घाट ओझाटोली घाट चानन घाट और कबूतर खोपी घाट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को साफ-सफाई, बेरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिए जबकि उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।अतः प्रत्येक घाट पर सभी मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए।गंगा नदी के जलस्तर व स्थल निरीक्षण के आधार पर बिजली घाट शंकुतला घाट मुक्तेश्वर घाट को सुरक्षित घाट के रूप में चिन्हित किया गया है। वहीं अधिक जलस्तर एवं मिट्टी कटाव के कारण ओझाटोली घाट को असुरक्षित घाट घोषित किया गया है, जहां छठ पूजा का आयोजन न करने की सलाह दी गई है।उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए घाटों की तैयारी समय पर पूरी करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पुलिस प्रशासन को भी निर्देश दिया कि भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था व आपातकालीन सेवाओं की तैनाती की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि महापर्व छठ शांति, श्रद्धा और सुरक्षा के साथ सम्पन्न हो सके।

1.50 करोड़ की सड़क और पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता

संवाददाता

साहिबगंज: उधवा : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत प्रखंड के बालू गांव से डकैत टोला तक की सड़क और पुलिया निर्माण कार्य पर अनियमितता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है।करोड़ों की लागत से निर्माण कार्य में खानापूर्ति का लगा आरोप उक्त सड़क लगभग 1.190 किलोमीटर लंबी है, जिसके निर्माण की प्राक्कलित लागत 1 करोड़ 50 लाख रुपये है। इस योजना में एक पुलिया निर्माण कार्य भी शामिल है, जिसकी गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।योजना में निम्न क्वालिटी के बालू, सीमेंट और गिट्टी का हो रहा उपयोग ग्रामीणों ने मौके पर मीडिया को बताया कि संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में घटिया और निम्न स्तर की सामग्री का खुलकर इस्तेमाल किया जा रहा है। अजीत मंडल, फिरोज शेख, मोफाजुल शेख, एनामुल शेख, अय्युब अली सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिया निर्माण में प्रयोग किए जा रहे बालू, सीमेंट और गिट्टी की गुणवत्ता बेहद निम्न स्तर की है। ऐसा लगता है कि संवेदक सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है। गुणवत्ता नियंत्रण के नाम पर कोई निगरानी नहीं हो रही है।सड़क ढलाई में भी हुई थी मनमानी ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इस सड़क पर पहले किए गए पीसीसी सड़क ढलाई के कार्य में भी इसी तरह की मनमानी और घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था, और अब पुलिया निर्माण में भी वही स्थिति दोहराई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह करोड़ों की सड़क और पुलिया जल्द ही टूटकर बर्बाद हो जाएगी।स्थानीय लोगो ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से निर्माण कार्य को तत्काल रोककर इस्तेमाल की जा रही सामग्री की जाँच और दोषी संवेदक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यहां जितने भी नॉन टेक्निकल रोजगार हैं उसपर पहले हमारा अधिकार है : ग्रामीण

संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज बंदरगाह में सेक्युरिटी गार्ड बहाली को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया हैं। सकरीगली समदा के ग्रामीण अशोक यादव गौतम यादव संजय यादव अनिल चौधरी भूवेश मण्डल पवन कुमार,सहित दर्जनों की संख्या में बंदरगाह पहुंचकर सेक्युरिटी एजेंसी का विरोध किया और मांग की है।की बंदरगाह निर्माण में हमलोगो का जमीन गया हैं और उस वक्त सरकार ने हमलोगो को यह आश्वासन दिया था। की बंदरगाह में जितनी भी बहाली होंगी उसमे स्थानीय युवक को पहली प्राथमिकता मिलेगी। जिससे यहाँ के लोगो का बेरोजगारी खत्म हो सके। पांच साल से इसी इंतजार में हमलोग हैं। और जब सेक्युरिटी गार्ड की बहाली हुआ तो सभी बाहरी लोगो को बहाल कर दिया गया। हमलोग यह नहीं चलने देंगे।यहाँ जितने भी नॉन टेक्निकल रोजगार हैं उसपर पहले हमारा अधिकार हैं।ज्ञात हो की साहिबगंज सकरीगली बंदरगाह में सेक्युरिटी की जिम्मा पटना के सीमांचल सेक्युरिटी एजेंसी को दी गई हैं।जिनके द्वारा 9 आर्म और 9 नॉन आर्म गार्ड की बहाली की गई हैं.जिसका ग्रामीण विरोध शुरू कर दिए हैं.एजेंसी के एमडी बी के सिंह ने ग्रामीण के विरोध के बाद कहा की ये जितने भी बहाल गार्ड हैं सभी एक्स आर्मी मैन हैं।और गार्ड की बहाली के लिए एक प्रोसेस हैं.जिसमे हो युवक सेक्युरिटी गॉर्ड के प्रशिक्षण प्राप्त होते हैं उन्ही की बहाली की जाति हैं।यहाँ भी जो भी ग्रामीण प्रशिक्षित हैं वो प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र लेकर आवे।उनको हम जॉब देंगे हमारे पुरे देश में रिक्तियां हैं।लेकिन ग्रामीण मनाने को तैयार नहीं हैं।

लोक आस्था का महापर्व है छठ : शाह कमर

संवाददाता

साहिबगंज : मोहम्मद शाह कमर मुर्शाद संस्थापक अध्यक्ष झारखंड शिक्षित बेरोजगार युवा मंच सह प्रदेश सचिव झारखंड पॉलिटेक्निक छात्र संघ ने अपील किया कि राज्य के सभी नागरिक शांति प्यार भाईचारे और सद्भावना के साथ दिवाली छठ महापर्व मनाए पर मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीरामचन्द्र के अयोध्या वापसी आने पर असत्य पर सत्य की जीत की खुशियों में मनाया जाता है।मतभेद हिंसा बुराई जुल्म के अंधकार को मिटाकर सत्य - सद्भावना व मोहब्बत का दिया जलाना है। साथ ही देश के वीर शहीदों के नाम पर एक दिया जरूर जलाये ।छठ महापर्व झारखंड एवम बिहार को विरासत में मिली यह आस्था का महापर्व जो सर्वधर्म के लोग मिलकर मनाते हैं उसकी पहचान है।छठ महापर्व की मुख्य विशेषताएँ हैं कि यह चार दिनों तक चलने वाला सूर्य देव और छठी मैया का लोक आस्था का पर्व है।जिसमें डूबते और उगते सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है।यह पर्व संतान की सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण के लिए किया जाता है और इसमें कई कठोर अनुष्ठानों का पालन किया जाता है,जैसे कि निर्जला व्रत और सात्विक भोजन।इस पर्व के दौरान प्रसाद और उपहारों में कोई भेदभाव नहीं होता है।छठ महापर्व की प्रमुख विशेषताएँ सूर्य और छठी मैया की पूजाः इस पर्व में सूर्यदेव और उनकी बहन छठी मैया की पूजा की जाती है।डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्यः यह एकमात्र पर्व है जिसमें सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों समय सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।निर्जला व्रतः श्रद्धालु, विशेष रूप से महिलाएं, 36 घंटे तक का निर्जला बिना पानी पिए उपवास रखती हैं।चार दिवसीय अनुष्ठानः छठ पर्व चार दिनों तक चलता हैजिसमें नहाय-खाय खरना संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य शामिल हैं।सात्विक भोजन और प्रसादः इस दौरान सात्विक भोजन किया जाता है और प्रसाद का वितरण बिना किसी भेदभाव के होता है।भक्ति और पारंपरिक लोकगीतःभक्ति गीत, विशेष रूप से पारंपरिक लोकगीत छठ पूजा के माहौल को और पवित्र और आध्यात्मिक बनाते हैं। समानता का प्रतीकः प्रसाद वितरण में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। जो सभी के लिए प्रेम और समानता की भावना को दशार्ता है।

वैध कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर तीन वाहन जब्त

साहिबगंज/बरहरवा : बरहरवा फरक्का मुख्य पथ पर बुधवार की अहले सुबह डीटीओ मिथिलेश कुमार चौधरी के बगैर माइनिंग चालान तीन वाहनों को जब्त कर बरहरवा थाना के हवाले किया है। डीटीओ मिथिलेश कुमार चौधरी बरहरवा थाना क्षेत्र के फुटानी मोड के समीप से एक बिना माइनिंग चालान के पत्थर लदा ओवरलोड हाइवा डब्लूबी 53 सी 6104 को जब्त किया है,वही बिना नंबर प्लेट के एक चिप्स लोड और एक ईट लोड ट्रैक्टर को भी जप्त करने में सफलता हासिल किया है।वहीं तीनों जब्त वाहनों को बरहरवा थाना की सुपुर्द किए हैं।इस बाबत डीटीओ मिथिलेश चौधरी ने बताया कि चालकों से संबंधित दस्तावेज मांगे गए लेकिन कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। तत्पश्चात तीनों वाहनों को जब्त कर बरहरवा थाना के सुपुर्द किए गए हैं।

दीपावली एवं छठ पूजा को लेकर विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ रखने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : विद्युत अधीक्षण अभियंता डॉ० नत्थन रजक के अध्यक्षता में उनके कार्यालय परिसर साहिबगंज में जिला के विद्युत कार्यपालक अभियंता की उपस्थिति में बिलिंग एजेंसी के प्रतिनिधि स्मार्ट मिटिरिंग वितरण क्षेत्र पूर्ण उद्यान योजना आरडी एसएस मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना मुजी पीभीटीजी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई गई थी। आरडीएसएस मुजी पीभीटीजी स्कीम में चलने वाले कामों के बारे में जानकारी हासिल किया।उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना मुजी के तहत दिसम्बर 2025 एवं पीभीटीजी के तहत जिला में सभी गांव एवं पहाड़िया टोला गांव में छुटे हुए कामों को अक्टूबर 2025 के अंत तक निश्चित रूप से पूर्ण करायेंगे।जिस गांव मोहल्ले में बिजली लाइन का पॉल व केवल तार जर्जर अगर है। तो उसे इस स्कीम के तहत जल्द से जल्द बदला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिपावली एवं छठ पूजा को लेकर विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ रखने का निर्देश दिया गयाऋ ताकि उपभोक्ताओं को नियमित रूप से विद्युत व्यवस्था विद्युत आपूर्ति की जा सके। इस बैठक में बिलिंग एजेंसी के प्रतिनिधि को सख्त निर्देश दिया गया।कि नेवर बिल एवं नो बिल उपभोक्ताओं को निश्चित रूप से विद्युत बिल नियमित रूप से उपलब्ध करायेंगे।ताकि राजस्व की उगाई में बढ़ोतरी हो सके।उधर इस बैठक में विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल साहिबगंज शंभूनाथ चौधरी और शैलेन्द्र बेसरा विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल पाकुड़ को विभिन्न योजनाओं में चल रहे कार्यों की समीक्षा प्रतिदिन करने व विशेष कर राजस्व बिलिंग आदि की उगाई। पर पूरा ज्यादा ध्यान देने को कहा गया।इस बैठक में मौजूद विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल शंभूनाथ चौधरी शैलेन्द्र बेसरा विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल पाकुड़,विद्युत कार्यपालक अभियंता भण्डार कुणाल कुमार,विद्युत कार्यपालक अभियंता, वा० एवं रा० सत्यनारायण पातर,विद्युत कार्यपालक अभियंता,एम०आर०टी० प्रमण्डल,नीतिश कुमार सिन्हा एवं स्मार्ट मिटिरिंग,वितरण क्षेत्र पूर्ण उद्यान योजना आरडीएसएस ,मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना मुजी पीभीटीजी कंपनी के प्रतिनिधियों सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

दिवाली पार्टी में छाया रोमांस! एक्ट्रेस ने पति संग किया लिप लॉक, वीडियो वायरल

बॉलीवुड में त्योहारों का जश्न हमेशा ग्लैमर और चमक-धमक के साथ मनाया जाता है। इस बार भी दिवाली पर सितारों ने मुंबई की रात को रौशन कर दिया। पहले मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी ने खूब सुर्खियां बटोरीं, और अब निमार्ता रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी चर्चा में है। जहां एक ओर बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे इस पार्टी में शामिल हुए, वहीं एक्ट्रेस श्रिया सरन और उनके पति आंद्रेई कोसचीव ने अपने रोमांटिक अंदाज से पूरी महफिल लूट ली।

रोमांटिक हुए श्रिया और आंद्रेई : रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में जब श्रिया सरन अपने पति के साथ पहुंचीं, तो कैमरे उनकी एक झलक पाने को बेताब हो गए। रेड कार्पेट पर पोज करते हुए इस कपल ने न सिर्फ स्टाइल में चार चांद लगाए, बल्कि एक-दूसरे पर प्यार भी खुलेआम लुटाया। जैसे ही श्रिया और आंद्रेई ने कैमरों के सामने लिप लॉक किया, वहां मौजूद हर किसी की निगाहें उसी पल पर थम गईं। यह पल ना सिर्फ पार्टी की हाइलाइट बन गया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी आग की तरह फैल गया। पार्टी का ये वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों की केमिस्ट्री देखते ही बनती है।

पार्टी लुक में छाईं श्रिया सरनः इस खास मौके पर श्रिया सरन ने गोल्डन कलर की ट्रेडिशनल साड़ी पहनी, जिसे उन्होंने एक स्लीक और ग्लैमरस ब्लाउज के साथ पेयर किया था। उनका लुक पूरी तरह फेस्टिव और एलिगेंट था, जो कैमरे के सामने और भी निखरकर आया। वहीं उनके पति आंद्रेई ने क्रीम कलर का कुर्ता-पायजामा पहनकर बिल्कुल परफेक्ट इंडियन लुक अपनाया। इस कपल की स्टाइलिश एंट्री के साथ-साथ उनका खुलेआम प्यार जताना, फैंस को भी खूब पसंद आया। सोशल मीडिया पर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

सोशल मीडिया पर मचा धमालः पार्टी के वीडियो सामने आने के बाद से ही इंस्टाग्राम, ट्विटर और यूट्यूब पर श्रिया और आंद्रेई ट्रेंड कर रहे हैं। कई फैन पेजेज ने इस मोमेंट को क्लिप कर के शेयर किया है, जिसे लाखों बार देखा जा चुका है। कुछ फैंस ने इस कपल को बॉलीवुड का बेस्ट कपल तक कह डाला है।

मिजार्पुर के सेट पर पति से मिलने पहुंची ऋचा चड्ढा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने हाल ही में अपने व्यस्त शेड्यूल से थोड़ा समय निकालकर बनारस का रुख किया, जहां उनके पति अली फजल इन दिनों मिर्जापुरः दि मूवी की शूटिंग कर रहे हैं। यह दौरा खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह अली के जन्मदिन के आसपास हुआ, और इस मौके पर ऋचा, अली और उनकी बेटी जुनी ने साथ में खूबसूरत पारिवारिक वक्त बिताया।कई हफ्तों से बनारस में शूटिंग कर रहे अली फजल के लिए यह एक प्यारा सरप्राइज था जब ऋचा जुनी के साथ उनसे मिलने पहुंचीं।

यह जोड़ी, जो अपनी सादगी और मजबूत रिश्ते के लिए जानी जाती है, ने शहर की शांत लहरों और आध्यात्मिक माहौल में एक-दूसरे के साथ सुकून भरे पल बिताए झ्र मुंबई की भागदौड़ से दूर, उस शहर में जो दोनों के लिए खास मायने रखता है। एक सूत्र ने बताया कि ऋचा चाहती थीं कि अली का जन्मदिन यादगार बने, लेकिन इससे भी ज्यादा वह चाहती थीं कि वे परिवार के साथ कुछ शांत और अच्छा समय बिता सकें। अली की लगातार शूटिंग और ऋचा की अपनी प्रतिबद्धताओं के बीच यह छोटा-सा ट्रिप उनके लिए एक ब्रेक जैसा था।

समाचार विश्लेषण पाठ्यक्रम : उन्होंने घाटों पर टहलना, बनारस का स्थानीय खाना खाना और अपने पुराने पसंदीदा जगहों को फिर से देखना सब कुछ किया, जैसे पुराने मिर्जापुर के दिनों में किया करते थे। ऋचा ने अपने अनुभव के बारे में कहा कि अली लगातार शूटिंग में व्यस्त था, और मुझे लगा यह साथ रहने का सबसे अच्छा समय है। बनारस हमारे दिल के बहुत करीब है । यहीं मिर्जापुर की शुरूआत हुई थी और मेरे लिए भी यह शहर मसान के कारण खास है। सालों में यह शहर हमारे लिए यादों से भरा स्थान बन गया है। यह ट्रिप सिर्फ जन्मदिन मनाने के लिए नहीं था, बल्कि ठहरने, उस पल को जीने और परिवार के साथ समय बिताने का तरीका था।

रोहित-विराट को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर खेलते देखने का शायद यह आखिरी मौका : कमिंस

नई दिल्लीः भारत अपने बहुप्रतीक्षित 2025 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कर रहा है, जिसमें तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल हैं, जिसकी शुरूआत 19 अक्टूबर को होने वाले पहले वनडे से होगी। यह श्रृंखला और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इसमें भारत के दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हो रही है। जियोहॉटस्टार पर विशेष बातचीत में, ऑस्ट्रेलियाई स्टार पैट कमिंस ने अहमदाबाद में अपनी टीम की 2023 आईसीसी विश्व कप की अविस्मरणीय जीत, रोहित और विराट की स्थायी विरासत और इन ऐतिहासिक मुकाबलों को लेकर उत्सुकता पर बात की।

कमिंस ने 2023 विश्व कप जीत की यादें ताजा करते हुए कहा, अहमदाबाद में, भारी भीड़ के सामने, विश्व कप जीतना हमेशा मेरी सबसे अच्छी यादों में से एक रहेगा। इतने बेहतरीन साथियों के साथ ऐसा करना बहुत मजेदार था। हमने पूरे टूर्नामेंट का भरपूर आनंद लिया और खूब मस्ती की। हमने उस पल से अभिभूत होने की कोशिश नहीं की। हम बस जीतना चाहते थे। अगर हम नहीं जीतते, तो भी हमें कोई दिक्कत नहीं होती क्योंकि हम खुशी और आजादी के साथ खेले। उस पल से बहुत सारी बेहतरीन यादें जुड़ीं।

मैंने कई बार माफ किया गोविंदा ने पहली बार अपनी पत्नी सुनीता आहूजा को लेकर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के चहेते अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा लंबे समय से मीडिया और फैंस के बीच चर्चा में बने हुए हैं। दोनों की जिंदगी और रिश्ते को लेकर अक्सर तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं, जिनमें से कई बार तलाक या अलगाव की अफवाहें भी सामने आईं। हालांकि, ये सभी अफवाहें दोनों ने पूरी तरह से खारिज की हैं और हाल ही में वे साथ में सार्वजनिक रूप से नजर भी आए। इस बार गोविंदा ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के शो में जाकर अपनी पत्नी सुनीता के बारे में बेहद खास बातें साझा कीं, जिसने एक बार फिर उनके फैंस का ध्यान खींच लिया है।

रिश्ते में उतार-चढ़ाव, लेकिन साथ बना रहाः गोविंदा और सुनीता की शादी को कई दशक हो चुके हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में दोनों को लेकर कई बार अफवाहें उड़ीं कि उनका रिश्ता टूटने की कगार पर है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यहां तक दावा किया गया कि दोनों अलग होने जा रहे हैं। लेकिन इन तमाम अटकलों को दोनों ने सार्वजनिक रूप से साथ आकर सिरे से खारिज कर दिया। अब पहली बार गोविंदा ने खुद खुलकर अपनी शादीशुदा जिंदगी और पत्नी के साथ रिश्तेतार बात की है, जिससे साफ हो गया है कि उनके रिश्ते में भले ही कुछ मतभेद रहे हों, लेकिन उनमें समझ और माफी की ताकत भी उतनी ही मजबूत रही है।

सुनीता परिवार की बच्ची हैंः शो में जब गोविंदा से उनकी पत्नी को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बेहद प्यार से जवाब देते हुए कहा, वो खुद एक बच्ची हैं। मेरे बच्चे भी उन्हें ऐसे ही संभालते हैं जैसे कोई छोटी बहन या बच्ची हो। उन्होंने आगे कहा कि सुनीता ने जिस तरह घर की ज़िम्मेदारियां निभाईं, वह उनकी ईमानदारी और मजबूती को दिखाता है। गोविंदा ने यह भी माना कि सुनीता कभी-कभी ऐसी बातें कह देती हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए, लेकिन उनकी नीयत कभी गलत नहीं होती। वो एक ईमानदार बच्ची हैं, लेकिन कई बार ऐसी बातें कह देती हैं जो नहीं कहनी चाहिए, गोविंदा ने मुस्कराते हुए कहा।

कई बार उन्हें माफ किया है ह्लः गोविंदा ने स्वीकार किया कि दोनों ने एक-दूसरे की गलतियों को माफ किया है। उन्होंने कहा कि सुनीता ने भी कई बार गलतियां की हैं, लेकिन उन्होंने न सिर्फ उन्हें, बल्कि पूरे परिवार को माफ किया। मैंने उन्हें कई बार माफ किया है। हम सभी इंसान हैं और गलतियां हर किसी से होती हैं, गोविंदा ने बड़ी साफगोई से कहा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शादी में वक्त के साथ दोनों एक-दूसरे के लिए मां-बाप जैसी भूमिका निभाने लगते हैं। अगर मां नहीं होती, तो पत्नी मां जैसी बन जाती है। डांटती है, समझाती है। उसे खुद इसका अहसास नहीं होता, लेकिन हमें होता है, अभिनेता ने भावुक अंदाज में कहा।

महिलाएं दुनिया चलाती हैंः गोविंदा ने बातचीत के दौरान इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं सिर्फ घर नहीं, पूरी दुनिया को चलाने की ताकत रखती हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष भले ही घर चलाता हो, लेकिन महिला की सोच और समझदारी कहीं अधिक व्यापक होती है। पुरुषों की दिक्कत ये है कि वे उस तरह से सोच ही नहीं सकते जैसे महिलाएं सोचती हैं, गोविंदा ने स्पष्ट किया।

सोनम कपूर ने की राइटर विजयलक्ष्मी की तारीफ

सोनम कपूर ने स्टार प्लस के शो माना के हम यार नहीं की राइटर और एशिया की पहली वूमन सिनेमेटोग्राफर बीआर विजयलक्ष्मी की तारीफ की है। स्टार प्लस हमेशा से दर्शकों को जोड़ने वाले और दिल को छू लेनेवाले शो लेकर आया है। बड़े मुद्दों को कहानी के जरिए दिखाने से लेकर ऐसी कहानियां बताने तक, जो सच में असर छोड़ती हैं, चैनल ने हर बार कुछ खास कर दिखाया है। खासतौर पर जब बात महिलाओं को उजागर करने की आती है, तब स्टार प्लस ने इसमें हमेशा से बेहतरीन काम किया है। जहां स्टार प्लस स्क्रीन पर दमदार महिला-केंद्रित कहानियां पेश करता है, वहीं उसके पास परदे के पीछे भी एशिया की पहली महिला सिनेमैटोग्राफर विजयलक्ष्मी के रूप में इंस्पिरेशन मौजूद हैं। उनका आनेवाला शो माना के हम यार नहीं रिलीज के लिए तैयार है, और उनकी अपनी यात्रा भी किसी दमदार कहानी से कम नहीं है। .

विजयलक्ष्मी एक ऐसी महिला हैं, जिन्होंने अपनी अलग राह बनाई है। वह सोनम कपूर के विमेन इन फिल्म एडिशन में भी फीचर कर चुकी हैं। सोनम कपूर ने सोशल मीडिया पर एशिया की पहली महिला सिनेमैटोग्राफर बीआर विजयलक्ष्मी की झलक साझा की। उन्होंने उनकी उपलब्धियों की तारीफ करते हुए लिखा है, आज का वुमेन इन फिल्म एडिशन बहुत खास है। क्यों? क्योंकि इसमें हैं बीआर विजयलक्ष्मी, जिनका नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में अलग ही पहचान रखता है। वह न सिर्फ दशकों का अनुभव रखनेवाली प्रोफेशनल हैं, बल्कि एशिया की पहली महिला डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी भी हैं।उनके काम को देखकर मैं खुद को रोक नहीं पाई और उनकी कहानी साझा करनी पड़ी, क्योंकि इसमें है इंस्पिरेशन और मोटिवेशन। इतने मेल-डॉमिनेटेड इंडस्ट्री में एक महिला होना आसान नहीं, लेकिन विजयलक्ष्मी जैसी महिलाएं ग्लास सीलिंग तोडकर बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंची हैं।

दिग्गज अभिनेता, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर बी. आर. पंथुलु की बेटी विजयलक्ष्मी को हमेशा से सिनेमैटोग्राफी में गहरी दिलचस्पी थी और उन्होंने प्रैक्टिकल अनुभव लेने के लिए अशोक कुमार की असिस्टेंट के तौर पर काम भी किया। तीस से ज्यादा फिल्मों पर काम करने के बाद, उन्होंने 1985 में तमिल फिल्म चिन्ना विदु से बतौर डीओपी डेब्यू किया। विजयलक्ष्मी के करियर का एक और बड़ा पड़ाव 1995 में आया, जब उन्होंने पट्टूड़वा फिल्म से डायरेक्टर के तौर पर शुरूआत की। अपने शानदार काम के सफर में विजयलक्ष्मी ने साउथ में कई यादगार प्रोजेक्ट्स बनाए हैं और अब वो नॉर्थ में माना कि हम यार नहीं शो के साथ बतौर राइटर कदम रख रही हैं। शो के पीछे ऐसा कमाल का टैलेंट होना वाकई खास है और विजयलक्ष्मी आज भी अनगिनत महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं। स्टार प्लस का आने वाला शो माना के हम यार नहीं एक कॉन्ट्रैक्ट मैरिज के कॉन्सेप्ट पर आधारित है। इसमें मंजीत मक्कड़ कृष्णा का रोल निभा रहे हैं, जो एक ठग है, और दिव्या पाटिल खुशी का किरदार निभा रही हैं, जो इस्त्रीवाली है और कपड़े प्रेस करके अपनी रोजी-रोटी कमाती है। माना के हम यार नही 29 अक्तूबर से शाम सात बजे सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

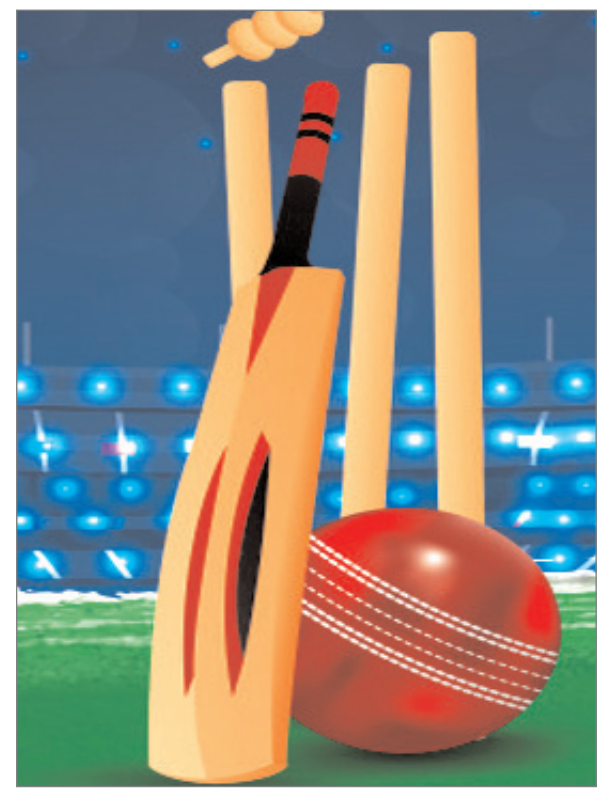

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : यशस्वी जायसवाल आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

एजेंसी/नई दिल्लीःआईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में आठ विकेट लेने के बाद सात स्थान ऊपर चढकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंङ्कषकग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर चढकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रनों की पारियों की बदौलत दो स्थान ऊपर चढकर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमशः दो और चार स्थान ऊपर चढकर 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर चढकर 66वें स्थान पर) और जॉन कैंपबेल (छह स्थान ऊपर चढकर 68वें स्थान पर) शामिल हैं, जिन्होंने दूसरी पारी में शतक बनाए थे। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबु धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की श्रृंखला जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद पुरुष वनडे गेंदबाजी रैंङ्कषकग में शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं।

दूसरे मैच में पांच विकेट सहित श्रृंखला में 11 विकेट लेने वाले राशिद पांच स्थान ऊपर चढकर 710 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं, जो दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज से 30 अंक अधिक है। राशिद सितंबर 2018 में पहली बार नंबर 1 बने थे और आखिरी बार नवंबर 2024 में इस स्थान पर पहुंचे थे। तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने सीरीज में सात विकेट लेकर 19 स्थानों की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 21वीं रैंकिंग हासिल की है, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (चार स्थान ऊपर 24वें स्थान पर) और तनभीम हसन साकिब (24 स्थान ऊपर 67वें स्थान पर) भी गेंदबाजी रैंकिग में ऊपर आए हैं। बल्लेबाजी रैंकिग में, इब्राहिम जदरान आठ स्थानों की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंकिग पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी वीमेंस वर्ल्ड क्रिकेटः पहली जीत के लिए उतरेगा बांग्लादेश

विशाखापत्तनमः एलिसा हीली की धमाकेदार फॉर्म और एलिस पेरी की निरंतरता आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के 17वें मैच में डा. वाईएस राजशेखर रेड्डी क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया महिलाओं और बांग्लादेश महिलाओं के बीच होने वाले मैच में अहम भूमिका निभाएगी। ऑस्ट्रेलिया, जो टूनार्मेंट में अब तक अपराजित है, अपना दबदबा बनाए रखने के लिए हीली के हालिया शतक, बेथ मूनी की आक्रामक बल्लेबाजी और एनाबेल सदरलैंड, एश्ले गार्डनर और ताहलिया मैक्ग्रा की हरफनमौला क्षमताओं पर निर्भर है। कप्तान और विकेटकीपर निगार सुल्ताना की अगवाई वाली बांग्लादेश के सामने लगातार तीन हार के बाद एक कठिन चुनौती है। उनकी उम्मीदें शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों फरगना हक, रुबिया हैदर, शर्मिन अख्तर और शोर्ना अख्तर पर टिकी हैं, जबकि गेंदबाज नाहिदा अख्तर, मारुफा अख्तर और राबेया खान को ऑस्ट्रेलिया के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को रोकने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। ऑस्ट्रेलिया इस मैच में भारत महिला टीम के खिलाफ एक रोमांचक जीत के बाद उतरेगा, जहां हीली के शतक की बदौलत उसने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की थी। एलिस पेरी और बेथ मूनी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

ट्रंप से डरते हैं मोदी, रूसी तेल खरीद को लेकर ट्रंप के दावे पर राहुल गांधी का पीएम पर हमला

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि पीएम मोदी, जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेतुकी बातों पर चुप्पी साध लेते हैं उससे लगता है कि वह, उनसे डरे हुए हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर सीधा हमला करते हुए गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप से डरे हुए हैं। वह ट्रंप को यह फैसला करने और ऐलान करने की इजाजत देते हैं कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा कि अचरज की बात यह है कि पीएम मोदी उनसे बात करने का प्रयास करते हैं, लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति अनदेखी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी बार-बार की गई अनदेखी के बावजूद बधाई संदेश भेजते रहते हैं। वित्त मंत्री की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई। शर्म अल-शेख में शामिल नहीं हुए। ऑपरेशन सिंदूर पर उनका विरोध नहीं करते।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी पीएम मोदी को घेरते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प, पांच अलग-अलग देशों में 51 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने टैरिफ और व्यापार को दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करके हस्तक्षेप किया और भारत को ऑपरेशन सिंदूर रोकने पर मजबूर किया। फिर भी पीएम मोदी चुप्पी साधे हुए हैं और कोई जवाब नहीं देते।

उन्होंने कहा अब राष्ट्रपति ट्रंप ने कल कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल का आयात नहीं करेगा। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कई अहम फैसले अमेरिका को सौंप दिए हैं। छप्पन इंच का सीना अब सिमटकर सिकुड़ गया है।

न्यूज ब्रीफ

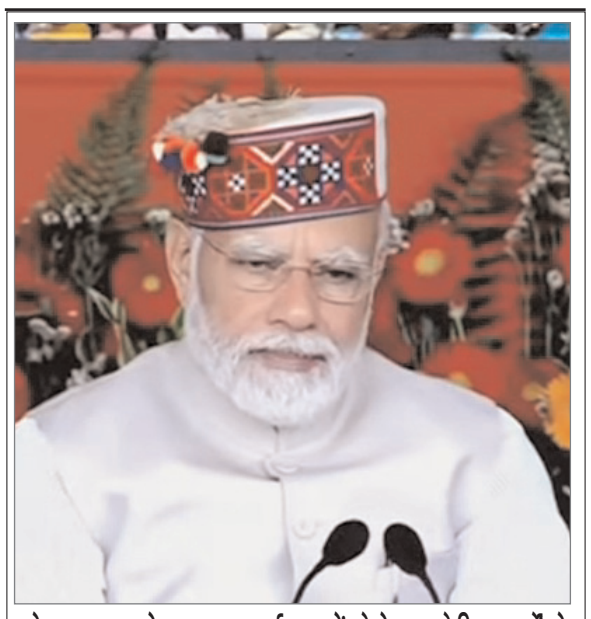

मेरा बूथ-सबसे मजबूत कार्यक्रम में बोले ढट मोदी, बुजुर्गों से युवाओं को बिहार के जंगलराज की कहानी सुनवाइए

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मेरा बूथ-सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बिहार के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेरा बूथ, सबसे मजबूत -ये सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, ये जमीनी स्तर पर भाजपा की सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। जैसे पुरानी कहावत है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। वैसे ही जब हर बूथ सबसे मजबूत होता है, तभी पार्टी को सफलता मिलती है। इसलिए ये देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि बिहार भाजपा का हर कार्यकर्ता मेरा बूथ, सबसे मजबूत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान पीएम ने बिहार के एक कार्यकर्ता से पूछा कि जंगलराज को लेकर लगी प्रदर्शनी आपने देखी है क्या। आपके जिले में लगी है क्या? उन्होंने कहा कि जी, हमारे यहां भी लगी है। पीएम ने कहा कि 18 से 45 साल के लोगों को बहुत डिटेल से जंगलराज के बारे में बताइए। बुजुर्ग लोगों से उन्हें किस्से सुनवाइए।

पीएम ने कहा कि 18 से 45 साल के लोगों ने वे दौर नहीं देखा है, जिसने बिहार को बर्बाद कर दिया था। नक्सली पटरियां उड़ा देते थे। मालगाड़ी से चोरी होती है। लोग रात में घर से निकलने से डरते थे। सरकारी अफसर एक इलाके से दूसरे इलाके में जाते थे तो पुलिस स्कॉट देना पड़ता था। ऐसे माहौल में कोई कैसे जी सकता था। विकास के सारे काम ठप हो गए थे। बिहार की स्थिति बहुत मेहनत कर के बदली है। इस समय हम बिलकुल भी रिस्क नहीं ले सकते हैं कि ऐसे लोग सरकार में आए जो फिर से बिहार को उस काल में धकेले। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार बिहार में डबल दिवाली आने वाली है। एक तो नवरात्रि के पहले दिन जीएसटी के कारण लोगों ने दिवाली मनाई। अब 20 अक्टूबर को दिवाली है, वो हम मनाने जा रहे हैं। लेकिन इस बार का बिहार का मिजाज, 14 नवंबर को एनडीए की विजय वाली दिवाली भी मनानी है।

भारत के पहले मानव मिशन गगनयान की लॉन्च डेट आई सामने, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने किया खुलासा,7

नई दिल्ली: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने भविष्य के मिशनों को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने बुधवार को बताया कि एजेंसी ने 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा की सतह पर उतारने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह घोषणा भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नए युग का संकेत है।

नारायणन ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान 2027 में लॉन्च किया जाएगा। इस ऐतिहासिक मिशन से पहले, इसरो तीन मानवरहित गगनयान मिशन भी भेजेगा। इनमें से पहला मिशन दिसंबर 2025 में लॉन्च होने की उम्मीद है, जिसमें व्योममित्र नामक एक अर्ध-मानवीय रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

इसरो प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित किए गए दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने 2040 तक एक स्वदेशी मानवयुक्त चंद्र मिशन का लक्ष्य दिया है, जिसके तहत हमें अपने नागरिकों को चंद्रमा पर उतारना होगा और उन्हें सुरक्षित वापस भी लाना होगा।

इसके अलावा, भारत 2035 तक अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। नारायणन ने यह भी जानकारी दी कि शुक्र ग्रह के अध्ययन के लिए एक वीनस ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) को भी मंजूरी दे दी गई है, जो भारत के अंतरग्रहीय अभियानों को और मजबूती देगा।

दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप

मैमूर: बिहार के कैमूर जिले के भभुआ नगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बुधवार दोपहर को एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि भभुआ एकता चौक के निकट अपराधियों ने एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक की पहचान भभुआ वार्ड नंबर 15 निवासी रामलाल मलाह (30) के रूप में की गई है।

सूत्रों ने बताया कि हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जय श्रीराम से सारा विवाद खत्म, मुस्लिम महिला पुलिस अधिकारी ने लगाए नारे

ग्वालियर: मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिला में एक मुस्लिम महिला पुलिस अधिकारी के एक प्रकरण के निपटान के दौरान जय श्री राम के नारे लगाने का मामला सामने आया है। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ वकील मुस्लिम महिला अधिकारी हिना खान को सनातन विरोधी बताते हुए जय श्री राम के नारे लगाते हुए सुनाई दे रहे हैं। उन वकीलों के जवाब में सुश्री खान ये कहते हुए सुनाई दे रही हैं कि ये सनातन विरोध से जुड़ा मामला नहीं है, इसके साथ ही वे स्वयं भी ये नारे लगाने लगती हैं। इसके बाद सभी वकील चुप्पी साध गए और जिस आयोजन को लेकर विवाद हो रहा था, उसे टाल दिया गया।

दरअसल ये पूरा मामला ग्वालियर बार ऐसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल मिश्रा द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई एक कथित विवादित टिप्पणी से जुड़ा है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में डॉ अंबेडकर की प्रतिमा लगाने के मामले का वकीलों का एक समूह विरोध कर रहा था, अनिल मिश्रा भी इसी समूह में शामिल हैं। इसी क्रम में उन्होंने कथित तौर पर डॉ अंबेडकर को लेकर एक टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद दो अलग अलग समाज एक-दूसरे के आमने सामने आ गए हैं। कल वकीलों के एक समूह ने आंदोलन की चेतावनी दी थी, लेकिन प्रशासन की सख्ती के बाद उसे टाल दिया गया था। हालांकि इसके बाद भी अनिल मिश्रा से जुड़ा समूह कल उनके जन्मदिन के अवसर पर सुंदरकांड कराने को लेकर अड़ा था। हिना खान इसी आयोजन और संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासनिक अमले के साथ वहां पहुंची थीं। वे वकीलों को समझाइश दे रहीं थीं, इसी दौरान वकीलों ने नारेबाजी शुरू कर दी थी।

दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर के पार, इन इलाकों में हाल बेहद खराब

नोएडा: दिल्ली-एनसीआर में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण ने खतरनाक स्तर पार कर लिया है। गुरुवार सुबह आंकड़ों से पता चलता है कि गाजियाबाद के लोनी और नोएडा के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों से भी अधिक खराब स्थिति में पहुंच गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार, यानी बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। गाजियाबाद में लोनी का एक्यूआई 339 दर्ज किया गया, जो पूरे क्षेत्र में सबसे अधिक है। वहीं, नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 358 तक पहुंचा, जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है।

गाजियाबाद के अन्य इलाके भी पीछे नहीं हैं- वसुंधरा और इंदिरापुरम दोनों का एक्यूआई 287 है और संजय नगर का एक्यूआई 260 रहा। नोएडा में हालात गंभीर बने हुए हैं। सेक्टर-116 में एक्यूआई 334, सेक्टर-1 में 257 और सेक्टर-62 में 207 दर्ज किया गया। दिल्ली में भी स्थिति बेहतर नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार का एक्यूआई 335, वजीरपुर का 337, बवाना का 281 और मुंडका का 297 है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन अधिकांश इलाके खराब से बहुत खराब श्रेणी में हैं। हवा की बिगड़ती गुणवत्ता को देखते हुए, वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बनाए गए ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) के पहले चरण को लागू कर दिया गया है। इसके तहत निर्माण कार्यों पर रोक और डीजल जनरेटर के उपयोग पर प्रतिबंध जैसे उपाय शामिल हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर प्रदूषण का स्तर इसी तरह बना रहा, तो जल्द ही ग्रेप का दूसरा और सख्त चरण लागू किया जा सकता है। अक्टूबर के आंकड़े बताते हैं कि ओजोन और पीएम10 प्रमुख प्रदूषक तत्व रहे हैं। कई दिनों पर इनका स्तर बहुत अधिक दर्ज किया गया, जो दिवाली से पहले ही वायु गुणवत्ता में गिरावट का संकेत दे रहा था। बहुत खराब श्रेणी का एक्यूआई स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। इस स्थिति में सभी नागरिकों, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस व हृदय रोगियों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है। लंबे समय तक बाहर रहने से बचना चाहिए और घर के अंदर हवा शुद्ध करने वाले उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। दिवाली से पहले ही दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है।

बुजुर्गों के लिए आसान होगा वंदे भारत स्लीपर का सफर

नई गाड़ियों के लिए रेलवे ने डिजाइन में किए बड़े बदलाव पहली ट्रेन में ही नया फीचर

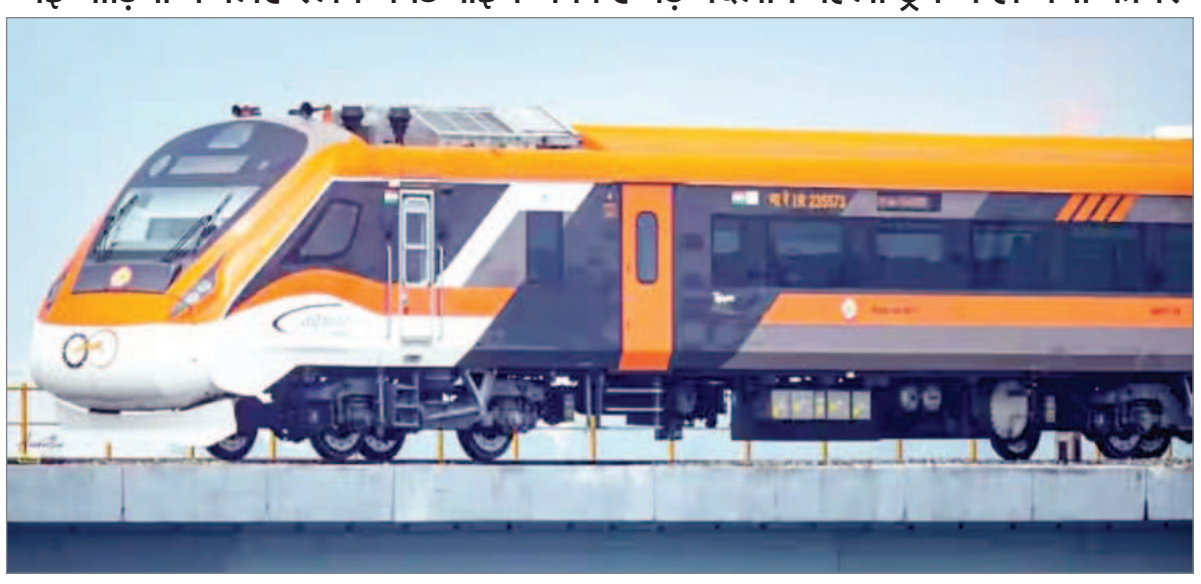

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे की फ्लैगशिप ट्रेन सीरीज वंदे भारत एक्सप्रेस अब एक और नए और अधिक आरामदायक रूप में सामने आने वाली है झ वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के तौर पर। इस ट्रेन में अब यात्रियों को अपर बर्थ तक पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि रेलवे ने सीढ़ियों के डिजाइन में बड़ा बदलाव किया है। काइनेट में वंदे भारत प्रोजेक्ट के निदेशक निशुंक गर्ग ने जानकारी दी कि नई स्लीपर वंदे भारत में सीढ़ियों का डिजाइनपूरी तरह नया और आरामदायक बनाया गया है। निशुंक गर्ग ने बताया कि इस डिजाइन के साथ यात्रियों को न केवल सुविधा मिलेगी, बल्कि ट्रेन का लुक और इंटीरियर भी आधुनिक और प्रीमियम होगा। उन्होंने कहा कि अकसर यात्रियों की शिकायत होती थी कि अपर बर्थ पर चढ़ना मुश्किल होता है।

खासतौर पर बुजुर्ग यात्रियों और बच्चों को परेशानी होती थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमने सीढ़ियों को इस तरह डिजाइन किया है कि सभी आयु वर्ग के लोग आसानी से ऊपर जा सकें। गर्ग ने बताया कि यह फीचर पहली ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले साल पहली ट्रेन डिलीवर की जाए और उस पर तेजी से काम जारी है। इससे संकेत मिलता है कि 2026 की शुरूआत तक यात्रियों को यह नया वंदे भारत स्लीपर अनुभव मिल सकता है।

रूस-भारत की संयुक्त साझेदारी से हो रहा निर्माणः वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निर्माण काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस कर रही है, जो रूस की ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारत की सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के बीच एक ज्वाइंट वेंचर है। इस साझेदारी के तहत कुल 1,920 स्लीपर कोच (120 ट्रेन सेट) तैयार किए जाएंगे। इन ट्रेनों का डिजाइन, निर्माण और 35 साल तक रखरखाव किया जाएगा। काइनेट के चीफ डिजाइनर एवगेनी मास्लोव ने बताया कि कंपनी का फोकस भारतीय यात्रियों को नेक्स्ट लेवल का अनुभव देना है।

म्मुंबई में बांग्लादेशी गुरु मा गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेजों पर 30 सालों से भारत में रह रही थी, कई मामले हैं दर्ज

मुंबई : मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर गुरु मां के नाम से मशहूर ज्योति को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 30 सालों से फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में रह रही थी। यह मामला तब सामने आया जब पिछले कुछ महीनों से अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मार्च 2025 में शिवाजी नगर पुलिस ने रफीक नगर से कुछ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान ज्योति को भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन उस समय उसके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित सभी भारतीय दस्तावेज मौजूद थे, इसलिए उसे छोड़ दिया गया था।

इसके बाद पुलिस ने ज्योति की ओर से तैयार किए गए भारतीय जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई, जिसमें वे सभी दस्तावेज फर्जी निकले। इसके बाद पुलिस ने बाबू अयान खान उर्फ ज्योति उर्फ गुरु मां को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ज्योति का असली नाम बाबू अयान खान है। वह 300 से अधिक फॉलोअर्स की ह्यगुरु मांह्ल थी और मुंबई के रफीक नगर, गोवंडी व अन्य इलाकों में उसके 20 से ज्यादा घर बताए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, ज्योति के खिलाफ मुंबई के शिवाजी नगर, नारपोली, देवनार, ट्रॉम्बे और कुर्ला पुलिस स्टेशनों में भी कुछ अन्य मामले दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस ने उसे पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने कहा कि यह गिरफ्तारी उन लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। इसके साथ के कितने लोग अभी रह रहे हैं? पुलिस इसके बारे में पता लगा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इसने जो भी फर्जी दस्तावेज बनवाए थे, वे कहां से बनवाए थे और अभी तक किस-किस के बने हैं।

आठ करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं तेजस्वी यादव,पत्नी के पास भी अकूत दौलत

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के पास करीब 8.1 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति है। यह जानकारी उनके नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथपत्र में दी गई है। तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

पत्नी राजश्री के पास 1.88 करोड़ रुपये की संपत्तिः शपथपत्र के अनुसार, यादव की पत्नी राजश्री उर्फ रैचेल आयरिस गोडिन्हो के पास 1.88 करोड़ रुपये की संपत्ति है। राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में छह नवंबर को मतदान होगा। तेजस्वी यादव वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। उन्होंने पहली बार 2015 में इस सीट से जीत हासिल की थी। बिहार में दो चरणों में छह नवंबर और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे।

तेजस्वी यादव पर 55.55 लाख रुपए की देनदारीः शपथपत्र के मुताबिक, तेजस्वी यादव के पास 6.12 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 1.88 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। उनकी पत्नी राजश्री के पास 59.69 लाख रुपए मूल्य की अचल संपत्ति है। तेजस्वी के पास 1.5 लाख रुपए नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास एक लाख रुपए नकद हैं। राजद नेता के नाम पर कई बैंक खाते हैं और उन पर 55.55 लाख रुपए की देनदारी है। ये देनदारियां उनके भाई तेज प्रताप यादव और मां राबड़ी देवी के साथ लिए गए संयुक्त ऋणों का हिस्सा हैं। तेजस्वी यादव से संबंधित कुल सरकारी बकाया 1.35 करोड़ रुपए बताया गया है। उनकी पत्नी के पास कई बैंक खाते हैं, लेकिन कोई देनदारी या सरकारी बकाया नहीं है। तेजस्वी ने शपथपत्र में खुलासा किया कि उनके पास 200 ग्राम सोना है, जबकि उनकी पत्नी के पास 480 ग्राम सोना और दो किलोग्राम चांदी है।

राघोपुर सीट से तीसरी बार चुनाव मैदान में तेजस्वी यादवः तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं और इस बार वह हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पार्टी राजद, इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (यूनाइटेड) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ चुनाव लड़ रहा है।

एचएम पब्लिक स्कूल में विज्ञान, शिल्पकारी एवं हस्त कला प्रदर्शनी का आयोजन

विज्ञान हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा स्रोत रहा है : डॉ चांदनी नाथ

संवाददाता

रांची। चुटिया स्थित एचएम पब्लिक स्कूल में गुरुवार को विज्ञान, शिल्पकारी एवं हस्त कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस विज्ञान, शिल्पकारी एवं हस्त कला प्रदर्शनी में कक्षा छह से दशम तक के छात्र - छात्राओं ने विज्ञान, कम्प्यूटर, गणित, सामाजिक अध्ययन व देश में समय के साथ बदलती शिक्षण पद्धति आदि विषयों पर विभिन्न तरह के मॉडल स्वचालित नवीन प्रकार के कलाकृतियों एवं अनवेशन प्रस्तुत किया।

सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाईवीएन स्कूल की प्राचार्या डॉ चांदनी नाथ ने जज और अतिथिगण, प्राचार्य और शिक्षकों के द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। उन्होने प्रदर्शनी देखने के बाद बच्चों द्वारा बनाए गए विज्ञान से संबंधित बातों को आज के संदर्भ में रखी और कहा कि विज्ञान हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा स्रोत रहा है। इसकी उपयोगिता मानव जीवन के उत्थान में किया जाना चाहिए।

जज के रूप में कैम्ब्रिज स्कूल टाटीसिलवे के वरीय शिक्षक ज्योति भूषण गुप्ता, डीएवी विवेकानंद स्कूल बेड़ो के विज्ञान शिक्षक रंजन चंद्रा, एच एम पब्लिक स्कूल के विज्ञान शिक्षक डॉ मोहन प्रकाश मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी जजों ने एक-एक कर सभी प्रोजेक्ट का अवलोकन कर छात्रों से विभिन्न तरह से सवाल जवाब किए और मनोबल बढ़ाए। बच्चों को सराहते हुए बड़ी ही तन्मयता से उनके अंदर की प्रतिभा को जांचते रहे। जहां भी बच्चे थोड़े हिचक रहे थे, उन्हें बड़ी अच्छी तरह से उत्साहित करते नजर आए।

विज्ञान प्रदर्शनी में सायरन डिफेंस फार्म, चंद्रयान, कचड़े से विद्युत उत्पादन, होमोनाइड रोबोट, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक, रनिंग व्हीकल ऑन मैथन गैस, आइसोप्रोपन फ्रिजर, होम मेड एम्प्लीफायर, वान डी ग्राफ जेनरेटर, कैंसर के प्रकार, महिला सशक्तिकरण, एआई काला जादू अंधविश्वास लाई फाई, मसालों का औषधिय उपयोग, चंद्रमा में जीवन ऑटोमिटिक फायर फाइटर, मैथ्स मैजिक, ट्रेफिक टरबाइन, वेदास, गैस वेल्डींग, वॉटर क्लीनिंग कार, इमरजेंसी अलर्ट अलार्म, स्मार्ट सीटी, न्यू मॉडल ऑफ राँची स्टेशन, एसिड रेन आदि लगभग 320 मॉडल बनाया गया था। शिल्पकला एवं, हस्त शिल्प में वर्ग प्रथम से पांचवीं तक के बच्चों के द्वारा मोर, घर, गिटार, प्लास्टिक बोतल से हाउस बोट, डांसिंग डॉल, लालकिला, बैंक, हॉस्पिटल, दिया स्टैंड, हावड़ा ब्रिज, रॉकेट लॉन्चर, एफिल टावर, अनाज से स्वर वर्ण, ज्वालामुखी, सोलर सिस्टम, ऑपरेशन सिंदूर, केदारनाथ, वैष्णवी मंदिर, सुरेश्वर धाम, अमरनाथ आदि लगभग 450 मॉडल बनाया गया था।

उत्प्रेरक के रूप में डीएवी विवेकानंद स्कूल बेड़ो के प्राचार्य कैलाश कुमार, स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल नगड़ी के विजय कुमार बच्चों के पास जा जाकर उनकी प्रतिभाओं को जांचे और प्रत्येक मॉडल की जानकारी लेते दिखे। विद्यालय में समय- समय पर विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। अभिभावकों द्वारा भी बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को जांचने का अच्छा मौका मिला। अभिभावकों ने पुरा समय देकर उनका हौसला बढ़ाते दिखे। वे भी इस प्रदर्शनी के एक जज के रूप में थे, क्योंकि स्कूल के द्वारा पब्लिक वोटिंग से भी छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है।

हस्त कला प्रदर्शनी के अच्छे मॉडल को वर्ग अनुसार चुनाव किया गया। बच्चों का मनोबल बढ़ाने में अतिथियों के रूप में सूरज महतो, जनार्दन प्रसाद महावीर महतो, भरत लाल, विगेंद्र कुशवाहा के साथ स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक लोग भी भरपूर सहयोग किए।

शिक्षकों में कुमार कमलेश, संयुक्ता, पूनम, अपूर्व शशांक, रंजीत कुमार, अंजली सेन, अनामिका सिंह, सरिता एक्का, नीलम डांगहा, पुनीत तिर्की, सती सिन्हा, सुजाता देवी, रवि प्रकाश, वासुदेव, गोविंद थापा, संगीता रानी, सरोज दास, प्रीति कुमारी कंचन शर्मा, कल्पना दास, शुभम सागर, सुजाता, वीणा प्रधान, शोभा, मीना, सुमन, सुप्रभा, जया, सोनी बड़ाइक, ज्योति, पल्लवी चंद्रा, एकता, वैशाखी, पुष्पा, नेहा, ओनिमा, ममता, जोशी,गौतम, नीलेश,रुबीना के सहयोग से विज्ञान हस्त कला प्रदर्शनी को सफल किया गया।

जजों के सामूहिक निर्णय के बाद सीनियर ग्रुप कक्षा आठ से दशम वर्ग के छात्र छात्राएं विजेता घोषित किए गए, जिसमें ग्रुप 'ए' से

- प्रथम- (दो) आइसोप्रोपन फ्रिजर, काला जादू के पीछे का विज्ञान
- द्वितीय - (दो) हवाई हादसा, स्मार्ट सिंचाई,
- तृतीय- संचालित अपशिष्ट पृथक्करण, न्यूडीग्रेबल प्लास्टिक

सांत्वना पुरस्कार चार प्रोजेक्ट को मिला

ग्रुप 'बी' से जो कक्षा छह और सात के छात्र और छात्राओं का था, जिसमें

- प्रथम -वॉटर कूलर
- द्वितीय - बड़े वाहनों को सुरक्षित ओवरटेक करना। भावना को पता लगाने वाला पौधा।
- तृतीय : (तीन)होम मेड एम्प्लीफायर, वेन डिग्राफ जेनरेटर, पनबिजली।

सांत्वना पुरस्कार तीन ग्रुप को दिया गया